साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI.NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
वर्ष 7, अंक-06 www.yuvapradesh.in भोपाल, शुक्रवार 18 मार्च 2022 ypnews24@gmail.com पृष्ठ -8 मूल्य 3 रुपये

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

सुविचार

गुस्से में कभी गलत
मत बोलो,
मूड तो ठीक हो ही
जाता है,
पर बोली हुई बातें
वापस
नही आती।

मध्य प्रदेश के पांच जिले लू की चपेट में अब मिल सकती है गर्मी से कुछ राहत

भोपाल। लगातार गर्म हवाएं चलने के कारण मध्यप्रदेश में तपिश बरकरार है। इसी क्रम में गुरुवार को प्रदेश में सबसे अधिक 42.7 डिग्रीसेल्सियस तापमान नर्मदापुरम में दर्ज किया गया। वहां लगातार दूसरे दिन तीव्र लू चली।

इसके अतिरिक्त राजगढ, धार, रतलाम एवं खरगोन में भी लू चली। हालांकि जबलपुर एवं ग्वालियर में दिन के तापमान में बुधवार के मुकाबले एक डिग्रीसे. तक की गिरावट दर्ज की गई। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक शुक्रवार से गर्मी से मामूली राहत मिलने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी पीके साहा ने बताया कि गुरुवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 38.6 डिग्रीसे. रिकार्ड किया गया। जो सामान्य से चार डिग्रीसे. अधिक रहा। यह बुधवार के अधिकतम तापमान 38.3 डिग्रीसे. की तुलना में 0.3 डिग्रीसे. अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। साथ ही बुधवार के न्यूनतम तापमान 18.3 डिग्रीसे. के मुकाबले 0.3 डिग्रीसे. कम रहा। साहा के मुताबिक वर्तमान में हवा का रुख पश्चिमी, उत्तर-पश्चिमी बना हुआ है। राजस्थान एवं गुजरात की तरफ से आ रही गर्म हवाओं की वजह से दिन-रात का तापमान बढ रहा है।

दो मौसम प्रणालियों से मिलेगी गर्म से कुछ राहत

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में राजस्थान और गुजरात में लू के हालात बने हुए हैं। वहां से लगातार आ रही गर्म हवाओं के असर से राजधानी सहित प्रदेश के अधिकतर जिलों में दिन एवं रात का तापमान बढ रहा है। शुक्ला के मुताबिक शुक्रवार को एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत को प्रभावित करने लगेगा। उधर वर्तमान में बंगाल की खाड़ी में भी एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है।

एकता की ध्वजा

इंकलाब की ध्वजा लेकर,
चल पड़े ,लोग मेरे गांव के।।
बंधुत्व का सरोवर,
भरने लगे,लोग मेरे गांव के।
ईरशा की जंजीर,
तोड़ने लगे लोग मेरे गांव के।
कुरुतियों के मकड़जाल,
साफ करने लगे लोग मेरे गांव के।।
पाखंडवाद की हकीकत,
जानने लगे लोग मेरे गांव के
नफ़रत के बागान,
उजाड़ने लगे लोग मेरे गांव के
प्रेम के सुमन,
बरसा ने लगे लोग मेरे गांव के
धर्म निरपेक्ष की कासत,
उगाने लगे लोग मेरे गांव के
वर्ग भेद की बाढ़
रोकने लगे , लगे लोग मेरे गांव के
शिक्षा का दीप
जलाने लगे, लोग मेरे गांव के
संविधान की ताकत
समझने लगे ,लोग मेरे गांव के

अंशु कवि
नारायण मासाब
नर्मदापुरम

मध्यप्रदेश राजस्व मण्डल क्या है, क्या है उसकी शक्तियों एवं अधिकारिता जानिए ? /MP Land Revenue Code,1959....।

जब किसी राजस्व प्राधिकारियों के आदेशों, निर्णय या कोई कार्यवाही से भू स्वामी को ठीक प्रकार से इंसाफ नहीं मिल पाता है तब ज्यादातर लोग भूमि संबंधित मामलों को सिविल न्यायालय में लेकर चले जाते हैं लेकिन इन मामलों की अपील, पुनः निरीक्षण, पुनः अवलोकन के लिए म. प्र. भू राजस्व संहिता,1959 की धारा 3 में राजस्व मण्डल का गठन किया गया है। मण्डल में एक अध्यक्ष एवं दो या दो से अधिक सदस्य होंगे।

राजस्व मण्डल को तथ्य का अंतिम न्यायालय माना है? किशोरी लाल बनाम विक्रय अधिकारी जिला भूमि विकास बैंक?।

मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता,1959 की धारा 7 एवं 8 की परिभाषा-?

राजस्व मण्डल संहिता के अधीन निम्न अधिकारिता शक्तियां प्राप्त है-

(क). अधीक्षण(पर्यवेक्षण) की शक्ति - राजस्व मण्डल सभी भू राजस्व मामलों में जो उसकी अपीलीय या पुनरीक्षण अधिकारिता के अधीन है। समस्त अधिकारियों पर उस सीमा तक जाँच पडताल की शक्ति प्राप्त होगी।

(ख). नियम बनाने की शक्ति-

संहिता की धारा 41 के अनुसार मण्डल को समय पर कार्य व्यवसाय और प्रक्रिया के नियम बनाने की शक्ति प्राप्त है।

(ग). मामले को ट्रांसफर करने की शक्ति- मण्डल को धारा-29 के अनुसार राजस्व आयुक्त को मामले को भेजने की शक्ति प्राप्त है, मंडल स्वयं विवेक से किसी भी पक्षकार का मामला,प्रकरण किसी भी आयुक्त या राजस्व अधिकारी को भेज सकता हैं।

(घ). अपील सुनने की शक्ति- संहिता की धारा 44 के अनुसार राजस्व मण्डल को पक्षकारों की प्रथम एवं द्वितीय अपील सुनने का अधिकार प्राप्त होता है।

(ङ). पुनः निरीक्षण की शक्ति- संहिता की धारा 50 के अनुसार राजस्व मण्डल को पक्षकारों के आवेदन पत्र पर पुनः मुआइना या जाँच पडताल(निरीक्षण) करने की शक्ति प्राप्त है।

नोट- किसी राजस्व अधिकारी(आयुक्त, कलेक्टर, उपखंड अधिकारी,तहसीलदार आदि) के आदेश के विरुद्ध सीधे राजस्व मण्डल के समक्ष पुनः निरीक्षण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है? ओमप्रकाश बनाम मध्यप्रदेश राज्य,2004?।

(च). पुनः अवलोकन की शक्ति- संहिता की धारा 51 में राजस्व मण्डल को किसी भी हितबद्ध पक्षकारों के आवेदन पर पुनः विचार या पुनः अवलोकन करने की शक्ति प्राप्त है।

(छ). राज्य सरकार की शक्ति- संहिता की धारा 262 के अनुसार राजस्व मण्डल को ऐसे समस्त मामले जो इस संहिता में लागू है चाहे, अपील, पुनः निरीक्षण, पुनः अवलोकन या कोई लाम्बित हो,या समुचित विधि के आदि नियमों के अनुसार विनिश्चित किये जाएंगे।

राजस्व मण्डल को राजस्व अधिकारी से दस्तावेजों,बुक लेखा/जोखा के प्रपत्रों आदिको मांगने की शक्ति प्राप्त है या नहीं जानिए-?

शंकरलाल एवं अन्य बनाम मध्यप्रदेश राज्य,2000- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 227 के आधीन उच्च न्यायालयो को अधीनस्थ न्यायालयो से विवरण मंगाने, उनकी कार्य प्रणाली और कार्यवाहियों के विनियम हेतु नियम बनाने एवं पदाधिकारियों द्वारा रखी जाने वाली पुस्तकों, प्रविष्टियों और लेखाओ के प्रपत्रों को विहीत करने की शक्ति प्राप्त है। इसी प्रकार संहिता की धारा 8 के अधीन राजस्व मण्डल को अधीक्षण संबंधित शक्तियां प्राप्त है। राजस्व मण्डल राजस्व प्राधिकारियों से सभी प्रकार के अभिलेखों, प्रपत्रों, लेखाओ एवं पुस्तक को देख रेख एवं जांच प?ताल या संचालन के लिए बुलवा सकता है।

- लेखक बीआर अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद) 9827737665

एक्शन ऐड संस्था ने लगाया एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

उदयपुरा। प्रशिक्षण शिविर में अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के साथ होने वाली एट्रोसिटीज की घटनाओं को रोकने हेतु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 पर 15 मार्च 2022 को होटल रिद्धिमा, बाड़ी में सामाजिक संस्था एक्शन ऐड द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर लगाया गया । प्रशिक्षण में भोपाल से अनामिका रॉय, विजय कुमार, एडवोकेट मिलिंद वानखेड़े, पोथीराम लोधी, परमसुख रघुवंशी, गोपालसिंह दिवाकर, ओमवती सिसौदिया और अतरसिंह भारतीय की विशेष उपस्थिति में मध्यप्रदेश के रायसेन जिले की बाड़ी ब्लॉक के बीस गांवों से मानव अधिकार रक्षकों ने भागीदारी की।प्रशिक्षणार्थियों को एडवोकेट मिलिंद वानखेड़े ने एट्रोसिटी एक्ट 1989 को विस्तृत रूप जानकारी दी वही अनामिका रॉय ने समझाया कि हमें महिलाओं और बच्चों की रक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। क्योंकि इनके साथ भेदभाव ज्यादा होता है। कार्यक्रम को संचालित करते हुए परमसुख रघुवंशी ने जोर दार अंदाज में संगठित होकर लड़ने का संदेश दिया। जबकि अतरसिंह भारतीय ने उपस्थित जनों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि संविधान में प्रदत मौलिक अधिकारों से कोई भी व्यक्ति वंचित न रहे एवम एट्रोसिटीज की घटनाएं पर अंकुश लगे।

न्यायालय माता-पिता,बच्चों एवं पत्नी के लिए किस धारा के अंतर्गत भरण-पोषण का आदेश जारी करता है पढिए/CrPC.....।

कोई भी समर्थ व्यक्ति जो अच्छी नोकरी करता हो या अच्छा व्यापारी हो उसका कर्तव्य होता है कि वह अपने परिवार का भरण पोषण करे एवं अपनी जिम्मेदारी को भलीभाँति निभाए। माता-पिता औलाद का भरण पोषण जन्म से करते हैं और ब?ा करते हैं इसलिए औलाद का कर्तव्य होता है कि वह भी अपने माता पिता, पत्नी एवं बच्चों भरण पोषण करे। इस लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता में माता पिता, पत्नी एवं बच्चों को भरण-पोषण पाने का कानून बना गया है जानिए महत्वपूर्ण कानून।

दण्ड प्रक्रिया संहिता,1973 की धारा 125 की परिभाषा(सरल शब्दों में)-?

कोई भी पर्याप्त साधन वाला व्यक्ति अर्थात अच्छी कमाई करने वाला व्यक्ति जिसके परिवार का निम्न सदस्य अपना भरण पोषण करने में असमर्थ है- अपनी पत्नी,अपनी जायज का नाजायज औलाद(अवयस्क) (अगर जायज या नाजायज पुत्री हैं तो वयस्क होने के बाद तब तक शादी नहीं होती जब तक),एवं माता-पिता। को भरण पोषण भत्ता लेने का पूरा अधिकार हैं। अगर कोई व्यक्ति भरण-पोषण देने से इंकार करता है या अपने कर्तव्य की उपेक्षा करता है तब प्रथम श्रेणी का मजिस्ट्रेट ऐसे उपेक्षा के साबित होने के बाद मजिस्ट्रेट यह आदेश देगा कि वह अपने माता पिता, पत्नी, बच्चों को जैसा मजिस्ट्रेट ठीक समझे मासिक भरणपोषण भत्ता देगा।अगर भरण-पोषण भत्ते की मांग की कार्यवाही लम्बित हो रही है या पत्नी, माता-पिता, बच्चों को कार्यवाही के दौरान खर्च की आवश्यकता होती है तब मजिस्ट्रेट इस धारा के अनुसार अंतरिम भरण-पोषण का आदेश सकता है (अर्थात कोर्ट के समय एवं कार्यवाही(लंबित मामलों में) में जो खर्च होगा मासिक पैसा उपर्युक्त व्यक्ति को जैसा मजिस्ट्रेट ठीक समझे समर्थ व्यक्ति से दिलवा सकता है।)अंतरिम भरण पोषण की कार्यवाही के आदेश का पालन व्यक्ति को 60 दिनों के भीतर करना होगा। इस धारा के अनुसार अगर कोई व्यक्ति अंतरिम भरण-पोषण या भरण पोषण के आदेश का पालन नहीं करता है तब मजिस्ट्रेट ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार करने के लिए वारण्ट जारी कर सकता है। एवं उसके एक मास तक भरण पोषण भत्ता नहीं दिया हैं तब एक वर्ष की कारावास, दो माह तक का नहीं दिया है तब दो वर्ष की कारावास(निरन्तर एक वर्ष तक) से दण्डित किया जाएगा।

नोट- जो व्यक्ति आवेदन अर्थात माता-पिता, पत्नी, बालक मामला दर्ज की तारी? से एक वर्ष के अंदर समर्थ व्यक्ति भरण-पोषण नहीं देता उसकी शिकायत करेगा लम्बित मामले में दो या तीन वर्षों के बाद मान्य नहीं होगा।

नोट- कोई भी तलाकशुदा पत्नी जब तक भरण-पोषण की हकदार होगी तब तक उसने पुनर्विवाह नहीं किया हो।

पत्नी जो भरण-पोषण की हकदार नहीं होती है?

1. नाजायज पत्नी(एक पत्नी के होते दूसरी पत्नी)या रखैल।
2. पारस्परिक सम्मति से अलग अलग होने वाली पत्नी।
3. किसी अन्य पुरुष के साथ अवैध संबंध रखने वाली पत्नी।
4. बिना किसी(क्रुरता, उत्पीडन, दहेज आदि) कारण के पति से झगड़ा करके अलग रहने वाली पत्नी।

- लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान महिला सामाजिक कार्यकर्ता अलीग?,उत्तर प्रदेश?

अनु. जा. /जनजाति परिसंघ का प्रांतीय अधिवेशन सफलता पूर्वक सम्पन

मूलचन्द मेधोनिया सहसंपादक कबीर मिशन समाचार पत्र एवं प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश मीडिया प्रदेश अध्यक्ष परिसंघ भोपाल

निजीकरण रोका जाये आरक्षण व संविधान बचाया जायेः डॉ. उदित राज

भोपाल। अनुसूचित जाति और जनजाति का अखिल भारतीय परिसंघ नई दिल्ली के मध्यप्रदेश इकाई के तत्वावधान में दिनांक 13 मार्च 2022 को रविन्द्र भवन भोपाल में अनुसूचित जाति और जनजाति वर्गों के अखिल भारतीय परिसंघ का प्रांतीय अधिवेशन भोपाल के रविन्द्र भवन में सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय डॉ उदित राज जी पूर्व सांसद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष कामगार कर्मचारी कांग्रेस की गरिमामयी उपस्थित में एवं डॉ. ओम सुधा जी राष्ट्रीय महासचिव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। मध्यप्रदेश परिसंघ का इतिहासिक प्रांतीय अधिवेशन में देश के एक दर्जन प्रांतीय पदाधिकारी व प्रदेश प्रमुख भी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. उदित राज जी के द्रारा दीप प्रज्ज्वलित कर एवं तथागत भगवान बुद्ध जी और डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया ।स्वागत भाषण परिसंघ के प्रदेश संयोजक श्री ए आर सिंह जी ने दिया। इसके बाद अतिथियों का स्वागत बैंच एवं गुलदस्ता देकर सम्मान किया गया। मंच का सफल संचालन ओ. पी. अहिरवार साहब जी ने किया। सभी सम्मानित अतिथियों का संक्षिप्त उद्बोधन हुआ। विशेष अतिथि डॉ. ओम सुधा जी ने अपने उद्बोधन में परिसंघ की गतिविधियों /संगठनात्मक विस्तार और देश के बहुजन समाज की मांग सहित आगामी रणनीति पर विचार प्रस्तुत किये। तथा आवाहन किया कि देश के वंचितों की आवाज़ डॉ. उदित राज जी के संघर्ष में साथ दे। ताकि सामाजिक अन्याय, अत्याचार की लड़ाई बुलंदी से उठाई जाये। अधिवेशन में हरियाणा, बिहार, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखंड के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि के तौर पर डां. उदित राज जी ने बिस्तार से दलितों की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला और निजीकरण करने करने की मंशा को सरकारी नीति को गलत ठहराया। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि निजीकरण होने से बहुजन समाज व वंचित समाज का अहित सरकार द्रारा किया जा रहा है। वहीं देश के संविधान में छेड़छाड़ कर संपूर्ण गरीब व वंचितों के साथ घौर अन्याय किया जा रहा है।आज सभी को एक होकर संवैधानिक अधिकार पाने के लिए संघर्ष करना होगा। उन्होंने कहा कि मैं आपके और बहुजन हितों के लिए सदैव सरकार से लड़ने में तत्पर हूँ। आन्दोलन के लिए सभी को आगे आना चाहिए। इस प्रांतीय अधिवेशन पर परिसंघ की एक पत्रिका का भी विमोचन डॉ. उदित राज जी के करकमलो द्रारा हुआ। सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह और साल देकर सम्मानित किया गया। अनुसूचित जाति और जनजाति वर्गों के अनेकों संगठनों के प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थित रही। परिसंघ की महिला प्रकोष्ठ,युवा छात्र प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। परिसंघ की असंगठित कामगार प्रकोष्ठ परिसंघ के प्रदेश अध्यक्ष मूलचन्द मेधोनिया और महासचिव राजकुमार रत्नाकर जो कि मीडिया प्रकोष्ठ भी दायित्व संभाल रहे थे। जिन्होंने कार्यक्रम की भव्यता और भोपाल शाहर के अनेक लोगों को सम्मेलन में लाकर सराहनीय प्रयास किया गया। झन्डे बैनरों से भी सजावट शानदार काम किया गया। राजगढ़ कामगार प्रकोष्ठ परिसंघ के जिला अध्यक्ष मुकेश अहिरवार ने अधिवेशन में अनेकों श्रमिकों को शामिल कराया। बीना सागर के परिसंघ प्रदेश सचिव दशरथ चौधरी ने सैकड़ों लोगों की रैली लेकर आये। भोपाल के गौतम नागदवने जी ने अपनी गाड़ी के माध्यम से श्रमिकों को सम्मेलन में दो दिन तक सेवाएं प्रदान की। झुग्गी मजदूर कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष श्री बलवान सिंह कुशवाहा जी ने निरंतर कार्यक्रम की सफलता के लिए कामगार प्रकोष्ठ परिसंघ के प्रदेश अध्यक्ष के साथ उल्लेखनीय सेवा दी। संभागीय /जिला अध्यक्ष परिसंघ के प्रभारी श्री आर जी शाक्य. श्री श्याम लाल वर्मा, श्री गिरीश इंदौरिया, श्री रामजी लाल पिप्पल, श्री के बी दोहरे, श्री हातमसिंह मौर्य. श्री राजकुमार शोभने, श्री ब्रम्हादास सूरवंशी, श्री संजीव घावरी, श्री राजकुमार अहिरवार, श्री लखनलाल अहिरवार, श्री एस बी रमन, श्री ए आर पंचोली, श्री विष्णु मालवीय, श्री पवन वर्मा, श्री मुकेश वर्मा, श्री कैलाश चन्द अचवाल, श्री मग्न सिंह बघेल, श्री कमल मालस, श्री चुन्नी लाल परमार, श्री केदार सिंह परिहार. श्री जी आर डडिंग, श्री रुगनाथ पाकरवार, श्री रमेश, श्री जी एस नेताम, श्री विजय कुमार कोल, डाक्टर विजय आरख, श्री हरिशंकर बरगेले, श्री राजेन्द्र कुमार कापसे,श्री नरेंद्र कुमार नरवरिया, श्री रामविशाल मिथलेश, श्री एन पी वकड सहित परिसंघ के प्रदेश पदाधिकारी ने प्रांतीय अधिवेशन में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया।

प्रांतीय अधिवेशन परिसंघ भोपाल में डॉ. उदित राज जी मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित हुए, एकजुट होने का दिया संदेश

बैरसिया लोकप्रिय विधायक आदरणीय भाईसाहब विष्णु खत्री जी ने रेस्ट हाऊस बैरसिया में सौजन्य भेंट कराई

भोपाल। जिला की तहसील बैरसिया माननीय उच्च शिक्षा मंत्री आदरणीय मोहन यादव जी से बैरसिया लोकप्रिय विधायक आदरणीय भाईसाहब विष्णु खत्री जी ने रेस्ट हाऊस बैरसिया में सौजन्य भेंट कराई परिचय कराया समस्त युवा टीम का एक एक करके सबका परिचय कराया मंत्री जी का पुष्प गुच्छ देकर माला पहनाकर स्वागत किया माननीय मंत्री जी ने सबका आभार व्यक्त किया माननीय मंत्री के समक्ष समस्त छात्रों ने शासकीय स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय बेरसिया में पीजी कोर्स दिलाने का निवेदन किया मंत्री ने आश्वासन दिया जल्द कॉलेज में पीजी कोर्स एम, एससी /एम, ए दिलाने का कार्य होगा इस मौके पर रामबाबू भैया मित्रमंडल मौजूद रहा समस्त युवा कार्यकर्ता गण मौजुद रहे।

मुकेश राय को मिला जिले में स्थान,समर्थकों और नगर वासियों में दौड़ी खुशी की लहर, अब जिले में होगा भ्रष्टाचार के प्रति आंदोलन तेज

रिपोर्ट -कैलाश कुमार अहिरवार

अनूपपुर/डोला। अनूपपुर शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष (प्रभारी-शहडोल संभाग) राजवीर पनिका एवं शहडोल संभाग अध्यक्ष दुर्गेश गुप्ता के सहमति से संगठन के प्रति समर्पित भाव निष्ठा व अच्छे कार्यो को देखते हुए नगर परिषद डोला में निवासरत मुकेश कुमार राय को पूर्व के पद से पदोन्नति करते हुए शिवसेना द्वारा शिवसेना में अनूपपुर जिले का जिला महासचिव घोषित किया गया है। शिवसेना अनुपपुर जिला महा सचिव बनाये जाने पर जिले के सभी शिवसेना समर्थकों में ब?ा ही हर्ष और उत्साह भरा है मुकेश राय के द्वारा निरंतर जनहित एवं शिवसेना के प्नति समर्पण भावना से किये जा रहे कार्यो को देखते हुये शिवसेना द्वारा भरोसा जताते हुये शिवसेना में जिले में स्थान दिया गया है जिसे लेकर प्रशंसकों द्वारा बधाई व शुभकामनाएं दी जा रही है साथ ही उम्मीद भी की जा रही हैंकी मुकेश राय के जिले में स्थान मिलते ही शिवसेना की अनूपपुर जिला इकाई को बल मिलेगा ।

इनका कहना है...

शिवसेना अनूपपुर जिला इकाई द्वारा जिस प्नकार से मुझ पर भरोसा जताते हुये नवीन पदभार सौंपा गया है इसके लिये मैं शिवसेना व शिवसेना के वरिष्ठ जनों का आभार व्यक्त करता हूँ और विश्वास दिलाता हूं की शिवसेना ने जिस प्नकार मुझ पर भरोसा जताया है मैं उस विश्वास पर पूर्णरुप से खरा उतरने कोशिश करूंगा ।

■ **मुकेश राय, शिवसेना अनूपपुर जिला महासचिव**

आदीवासी युवती के साथ अश्लील हरकत करने वालों को कड़ी सज़ा देने की मांग

भोपाल। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी आफ इंडिया, मध्यप्रदेश के उपाध्यक्ष एड्वोकेट विदयराज मालवीय ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि, अलीराजपुर ज़िले के ग्राम वालपुर में एक आदीवासी युवती के साथ अश्लील हरकत करने वालों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और उन्हें कड़ी से कड़ी सज़ा दी जाए। एक संगठित भीड़ द्वारा युवती को पकड़ कर उसके साथ अश्लील हरकत की गई और उसका विडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला गया। एडवोकेट मालवीय ने कटाक्ष करते हुए कहा है कि, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रदेश में न महिलाएं सुरक्षित हैं न ही मामा की भान्जियां सुरक्षित हैं। यहां राह चलते कब किस महिला के साथ बलात्कार हो जाए यह कहना मुश्किल है। दूसरी तरफ प्रदेश सरकार सिर्फ महिला सुरक्षा की डींगें हांक रही है। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी आफ इंडिया, मध्यप्रदेश सरकार से मांग करती है कि, आदीवासी युवती के साथ छेड़छाड़ करने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए।

एडवोकेट विदयराज मालवीय

प्रदेश उपाध्यक्ष
सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी आफ इंडिया,
मध्यप्रदेश

जैसलमेर में क्रस्स्र के जवानों ने कैसे मनाई होली

जैसलमेर। देशभर में होली धूमधाम से मनाई जा रही है। धुलेंडी के अवसर पर लोग सुबह से अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं दे रहे हैं। राज्य सरकारों ने होली के जश्न के दौरान कोरोना संयमित व्यवहार करने की अपील की है। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को कहा कि कि उसने गुंड़ों और शराब के नशे में गाड़ी चलाने से रोकने के लिए होली समारोह के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की है। दूसरी ओर महाराष्ट्र सरकार ने त्योहार के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। जिसमें लोगों को बड़े पैमाने पर इकट्ठा किए बिना मनाने और कोविड उपयुक्त व्यवहार का पावन करने को कहा है।

नवीन आधार कार्ड, पेंशन के आवेदन और दिव्यांगता प्रमाण पत्र, तीनों काम होंगे एक ही जगह

कलेक्टर ने सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने वीसी के माध्यम से सभी एसडीएम और सीईओ जनपद पंचायत को किया निर्देशित

कोरिया। कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन की पहल पर जिले में ऐसे दिव्यांगजनों, जिनके पास आधार कार्ड नहीं है, उन्हें आधार कार्ड की सुविधा प्रदाय करने के लिए शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में पेंशन की पात्रता रखने वाले दिव्यांगजनों के लिए आवेदन करने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इसके साथ ही मेडिकल बोर्ड की टीम भी शिविर में मौजूद रहेगी, जिससे जिन दिव्यांगजनों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र नहीं बना हो, उन्हें शिविर स्थल पर यह महत्वपूर्ण दस्तावेज उपलब्ध कराया जा सके। कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा ने शिविर के संबंध में उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी एसडीएम और सीईओ जनपद पंचायत को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि शिविर से संबंधित सभी विभाग अपनी तैयारियां सुनिश्चित करें। दिव्यांगजनों को किसी भी तरह की समस्या ना हो, इसका जरूर ध्यान रखें। शिविर में दिव्यांगजनों की मदद के लिए एनसीसी के छात्र-छात्राओं का सहयोग लिया जा सकता है।

23 मार्च से 06 अप्रैल तक होगा शिविर का आयोजन

23 मार्च से 6 अप्रैल तक 9 शिविरों का आयोजन कर प्रातः 11रू00 से 4रू00 बजे तक दिव्यांगजनो के आधार कार्ड बनाये जायेंगे। जिसमें 23 मार्च 2022 को बैकुण्ठपुर के जनपद पंचायत सभाकक्ष में, 24 मार्च को सोनहत के सामुदायिक भवन जनपद पंचायत, 25 मार्च को रामग? के ग्राम पंचायत भवन, 29 मार्च को खडगवां के सामुदायिक भवन जनपद पंचायत खडगवां, 30 मार्च को भरतपुर के सामुदायिक भवन जनपद पंचायत भरतपुर, 31 मार्च का कोटाडोल ग्राम पंचायत भवन, 1 अप्रैल को केल्हारी ग्राम पंचायत भवन, 4 अप्रैल को मनेन्द्रग? जनपद सभा कक्ष, 06 अप्रेल को नगर पालिका चिरमिरी सभा कक्ष में शिविर आयोजित किए जायेंगे।

अविनाश होटल भोपाल में एक दिवसीय लीगल क्लीनिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ

भोपाल। ऑल इंडिया दलित महिला अधिकार मंच के तत्वधान में 13 मार्च को स्थान होटल अविनाश भोपाल में एक दिवसीय लीगल क्लीनिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दलित,आदिवासी महिलाओं, एंव बच्चियों के साथ हुए जघन्य जैसे. बलात्कार. सामूहिक बलात्कार. अपहरण, छेड़छाड़, हत्या, मार पीट, हत्या का प्रयास,अपराध के मुद्दों को रखे गए ये वो मुद्दे थे जो आज न्यायालय में विचाराधीन है इस प्रकरण में प्रथम सूचना रिपोर्ट से लेकर न्यायालय की प्रक्रिया में विम्भता आ रही है जिससे परेशान पीड़ितों ने अपने अपने प्रकरणों के बैनर तले साझा किया । प्रकरण में शासन,प्रशासन, न्यायालय मे बिचाराधीन जो वहा के विशेष अभियोजको द्वारा जो केस मे कमिया की जाती है पीड़ितों को सहयोग नहीं किया जाता, आरोपियों की बेल समंधित और उनके सुनवाइयों की तारीख नहीं दी जाती है मुद्दों को भी यहाँ रखा गया, जो पेनल थे उनके द्वारा सुना गया सुझाव दिया गया, इन सुझावों को हम लोग आगे, जो ऐडमम है आने वाले भविष्य मे केसो मे किस तरह तरीके से आगे आये हुए रणनीति बनाई गई, सुझावों को क्रियान्ववित्त करना ताकि पीड़ितों को जल्द से जल्द न्याय मिल सके, हमारा मुख्य उद्देश्य यह है की अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति अधिनियम के अंतर्गत जो प्रावधान है दलित पीड़ितों को न्याय और राहत पहुंचाने के लिए उनके इन प्रभावी रूप से राज्य मे कार्यवाही हो जिसमे सही पालन हो, किस तरीके के दलितों के ऊपर होने वाले अत्याचार को रोका जा सके,और अत्याचार होने से बचाया जा सके, प्रकरण में सुचारू रूप से क्रियान्वयन हो इसके लिए पीड़ितों को कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अतिथि माननीय एम.डी जमूलकर रिटार्यड जज,एडमम की राष्ट्रीय महासचिव अभिरामी ज्योतिष वरन,अतिथि अधिवक्ता बीपी बंशल जी के द्वारा सुझाव दिए गए मप्र के 7 जिले भोपाल, सागर, दमोह, छतरपुर, रायसेन से पीड़ित उपस्थिति रहे।

कार्यक्रम ये लोग रहे उपस्थित

कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु ऑल इंडिया दलित महिला अधिकार मंच की नेशनल कॉर्डिनेटर अधिवक्ता ग्रिजेश, मप्र की राज्यमन्यवायक गायत्री सोनकर,जिला समन्यवयक सुशीला प्रजापति,द्रोपती नवीन, मीना पंवार, अंजू अहिरवार,वालिंटियर नीतू इमली शामिल रही।

भीषण सड़क हादसे में दो टुकड़ों में विभाजित हुई कर,तीन की मौत,दो घायल

कैलाश कुमार अहिरवार

अनूपपुर। पुष्पराजगढ़ टाटा अल्ट्रोज कार हुए हादसे में वार्ड नम्बर 9 अनुपपुर में रहने बाले बिहारी लाल शर्मा और उनका पूरा परिवार गाड़ी में नही था कल्याणी शर्मा जिसका आधार कार्ड गाड़ी में मिला वह भी घर में सुरक्षित है, गाड़ी में बिहारी शर्मा जी का लड़का सौरभ था जो कि सुरक्षित है।नर्मदा दर्शन के लिए अनूपपुर से अमरकंटक जा रही कार राजेन्द्रग्राम के पास करौंदी तिराहे पर तेज रफ्तार से पेड़ से टकराई और कार दो टुकडों में बंट गई। जिसमें बैठे 3 की मौके पर मौत हो गई। दो घायल हुए जिन्हे स्वास्थ्य केंद्र राजेन्द्रग्राम में भर्ती कराया गया हैं। मौके पर पुलिस पहुंच कर निरिक्षण कर रहीं हैं। इस सड़क दुर्घटना पर मुख्यमंत्री ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति, शोकाकुल परिजनों को आघात सहने की शक्ति व घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की प्रार्थना की है। पुलिस के अनुसार नई कार सौरभ शर्मा अपने दोस्तों के साथ अनूपपुर से नर्मदा दर्शन के अमरकंटक जा रहें थे जहां तेज रफ्तार कार करौंदी तिराहे के पास पेड़ से टकराई और कार दो टुकडों में बंट गई। इसमें बैठे 19 वर्षीय वर्षा श्रीवास्तव पिता दिनेश श्रीवास्तव निवासी सोन मौहरी, 24 वर्षीय सुबोध श्रीवास्तव पिता जमुना श्रीवास्तव निवसी शहडोल एवं मनु सिंह निवासी कोतमा की मौंके पर ही मृत्यु हो गई। वहीं दो घायल 22 वर्षीय सौरभ शर्मा पिता बिहारी लाल शर्मा एवं 22 वर्षीय दिव्यांशु श्रीवास्तव पिता रामप्रकाश श्रीवास्तव दोनो निवसी अनूपपुर को स्वास्थ्य केंद्र राजेन्द्राग्राम में भर्ती कराया गया हैं। यह दोनो सामने बैठे थे घटना के समय कार का एयर बैंग खुलने से दोनो की जान बच गई।

महिलाओं के मान-सम्मान से ही होती है हमारी सभ्यता एवं संस्कृति की पहचानः मुख्यमंत्री श्री बघेल

मुख्यमंत्री ने रेडियोवार्ता लोकवाणी की 27वीं कड़ी में 'छत्तीसगढ़ सरकार-नारी शक्ति के सरोकार' विषय पर की बात

कोरिया। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने रेडियोवार्ता लोकवाणी की 27वीं कड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार-नारी शक्ति के सरोकार' विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि महिलाओं के मान सम्मान से ही हमारी सभ्यता और संस्कृति की पहचान होती है। उन्होंने कहा कि नारी का सम्मान करने वाला समाज ही संस्कारी समाज होता है।

छत्तीसगढ़ में महिलाओं को भरपूर सम्मान दिया जा रहा है। यही वजह है कि छत्तीसगढ़ की महिलाएं और बेटियां अब बड़े लक्ष्य लेकर निकल पड़ी है, जिसे आगे बढ़ने से अब कोई रोक नहीं सकता। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य की परंपरा, पर्व-त्यौहार, संस्कृति के विभिन्न रंगों में, अपने संसाधनों के प्रति आदर भाव में, अपने स्वाभिमान और अस्मिता के स्वभाव में अपनी जननी और अपनी धरती के प्रति आस्था और श्रद्धा रही है। उन्होंने कहा कि हमारे पुरखों की वजह से हमें ऐसा संविधान मिला है, जिसमें महिलाओं को बराबरी का दर्जा दिया गया है। उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में भी महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान पर बात की। भूमि और संपत्ति पर कानून के अनुसार

महिलाओं को समान स्वामित्व और नियंत्रण का अधिकार है। उन्होंने शासन के नीतिगत निर्णयों की जानकारी दी जिससे महिलाओं को अचल संपत्ति पर अधिकार मिले। अचल संपत्ति का पंजीयन महिलाओं के नाम पर कराए जाने पर स्टाम्प शुल्क में 1 प्रतिशत छूट देने का प्रावधान किया गया है, जिसके कारण एक वर्ष में 50 हजार से अधिक पंजीयन हुए और 37 करोड़ रुपए से अधिक की छूट उन्हें मिली। सरकारी पदों में भर्ती के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा महिलाओं को दी गई है। महिला छात्रावास तथा आश्रमों में महिला होम गार्ड के 2 हजार 200 नए पदों का सृजन किया गया है। प्रदेश के 370 थानों में महिला हेल्प डेस्क संचालित किए जा रहे हैं। महिला हेल्पलाईन 181 का संचालन किया जा रहा है। प्रत्येक जिले में महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ का गठन किया जा रहा है ताकि माताओं, बहनों को पूर्ण सुरक्षा का वातावरण मिले।

जिला खनिज न्यास निधि बोर्ड में ग्रामसभा सदस्य के रूप में 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। छत्तीसगढ़ के इन अभूतपूर्व प्रयासों को नीति आयोग ने भी सराहा है और वर्ष 2020-21 की इंडिया-इंडेक्स रिपोर्ट में लैंगिक समानता के लिए छत्तीसगढ़ को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित संस्था छत्तीसगढ़ महिला कोष द्वारा स्व-सहायता समूहों को ऋण देने का प्रावधान है। इस संस्था के माध्यम से लगभग 39 हजार समूहों को 9 हजार 500 करोड़ रुपए से अधिक के ऋण दिए जा चुके हैं। इस तरह महिलाओं को अपने व्यवसाय के लिए अधिक आर्थिक सहायता देने के इंतजाम किए गए हैं। प्रदेश में तीन वर्षों में 478 खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित की गई हैं, जिनमें 1 हजार 167 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश हुआ है तथा इनमें 6 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। इसी तरह लघु वनोपजों के प्रसंस्करण के लिए 52 इकाईयों की स्थापना की जा चुकी है। हमने समर्थन मूल्य पर खरीदी जाने वाली वनोपजों की संख्या 7 से बढ़ाकर 65 कर दिया है। छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड के माध्यम से 121 उत्पादों का प्रसंस्करण और विक्रय हो रहा है। स्व-सहायता समूहों द्वारा भी वनोपजों की प्रोसेसिंग के माध्यम से 200 उत्पादों का विपणन किया जा रहा है। इन सब कार्यों में महिलाओं की बहुत बड़ी भागीदारी है।

महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित हर्बल गुलाल से रंगीन होगी होली

कोरिया। होली यानी रंगों का त्यौहार, रंगों का विशेष महत्व रखने वाले इस त्यौहार में केमिकल रंगों ने त्यौहार की चमक कम की है। इन केमिकलयुक्त रंगों से नुकसान होने के साथ ही त्वचा संबंधी कई बीमारियों के होने की भी आशंका रहती है। इस नुकसान से बचने और त्यौहार की रंगत को फिर जीवित करने कोरिया जिले की महिलाओं ने हर्बल रंगों से गुलाल बनाने का काम शुरू किया है।

इस तरह बनाया जा रहा गुलाल -

विकासखण्ड बैकुण्ठपुर के ग्राम डकईपारा में चार महिला स्व सहायता समूह माँ महामाया, उजाला, महिला एवं दुर्गे स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर हर्बल गुलाल बनाया जा रहा है। समूह की महिलाओं ने गुलाल बनाने की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रक्रिया में प्राकृतिक रंग के अर्क को अरारोट के साथ मिलाया जाता है। फिर इसे सुखाकर पीसते हैं। और अंत मे प्राकृतिक सुगंध का प्रयोग कर गुलाल तैयार किया

गया है। हर्बल गुलाल से केमिकल रंगों से होने वाले साइड इफेक्ट से बचाव होगा, इसके साथ ही समूह को स्वरोजगार की भी प्राप्ति हो रही है।

सभी विकासखण्डों में लगाए जाएंगे स्टॉल-

स्वसहायता समूहों द्वारा निर्मित हर्बल गुलाल अब जिले के बाज़ारो में केमिकल रंगों को टक्कर देने के लिए तैयार हैं। जिला कलेक्टोरेट परिसर एवं सभी विकासखण्डों के बाजारों में स्टॉल लगाकर महिलाओं द्वारा गुलाल का विक्रय किया जाएगा।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन, गठित कुल 31 खण्डपीठों के माध्यम से 3011 प्रकरणों का निराकरण

कोरिया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2022 में आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत के अनुक्रम में मुख्य संरक्षक तथा कार्यपालक अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य में तालुका स्तर से लेकर उच्च न्यायालय स्तर तक सभी न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया जहां राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सहमति व सुलह समझौता से निराकृत किये गये हैं। उक्त लोक अदालत में प्रकरणों कें पक्षकारों की भौतिक तथा वर्चुअल दोनों ही माध्यमों से उनकी उपस्थिति में निराकृत किये जाने के अतिरिक्त स्पेशल सिटिंग के माध्यम से भी पेटी ऑफेंस के प्रकरणों को निराकृत किये गये हैं। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री गौतम भादुड़ी द्वारा इस संपूर्ण लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु निरंतर प्रयास करते हुए विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लगातार अधिक से अधिक मामलों को निराकृत किये जाने हेतु प्रेरित किया गया तथा नेशनल लोक अदालत की स्वयं समीक्षा कर पक्षकारों तथा बार एवं न्यायाधीशगणों से चर्चा की गई। कोरिया जिले में जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री आनंद कुमार ध्रुव द्वारा 12 मार्च को आयोजित होने राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला न्यायालय बैकुण्ठपुर एवं तालुका स्तर में तालुका न्यायालय मनेन्द्रगढ, चिरमिरी, जनकपुर में 12 खण्डपीठ का गठन कर सफल आयोजन किया, जिसमें 4167 प्रकरण रखे गये तथा 740 प्रकरण निराकृत किये गये है। इन प्रकरणों में 1 करोड़ 14 लाख 82 हजार 505 रूपये की राशि अवार्ड किया गया है एवं 1435 नियमित प्रकरण रखे गये, जिसमें 632 प्रकरण निराकृत किये गये है।

■ शहीद राहुल प्रताप सिंह की स्मृति में हो रही प्रतियोगिता

अखिल भारतीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ आज

राजनगर कालरी। झीरम घाटी हमले में शहीद हुए शहीद स्व.राहुल प्रताप सिंह की स्मृति में कोयलांचल क्षेत्र पौराधार (नगर परिषद डूमर कछार) के वॉलीबॉल मैदान में तीन दिवसीय अखिल भारतीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है,विगत 20 वर्षों से विभिन्न अवसरों पर वॉलीबॉल प्रतियोगिता फ्रेंड्स क्लब यूनियन एवं स्थानीय अन्य संस्थाओं के द्वारा संपन्न होता आ रहा है,इसी कड़ी में नवमी बार तीन दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन फ्रेंड्स क्लब के द्वारा आज 12 मार्च से प्रारंभ किया जा रहा है,वॉलीबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह आज वॉलीबॉल ग्राउंड पौराधार में मुख्य अतिथि एमपी सिंह उपक्षेत्रीय प्रबंधक राजनगर आरओ एवं मनोज कुमार अग्रवाल पूर्व विधायक कोतमा,कार्यक्रम अध्यक्ष आर.के.वैश्य थाना प्रभारी रामनगर,कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों राकेश कुमार शुक्ला सीएमओ डूमर कछार,राजेंद्र प्रसाद कुशवाहा सीएमओ बनगवा ,बी.विनोद खान प्रबंधक झिरिया यूजी, हसदेव क्षेत्र के विभिन्न श्रम संगठनों असरारअहमद सिद्दीकी महामंत्री एचएमएस,कन्हैया सिंह महामंत्री एटक,भगेला सिंह महामंत्री सीटू,जेपी श्रीवास्तव

महामंत्री,आर.के.तिवारी महामंत्री इंटक, दारा सिंह महामंत्री बीएमएस के आतिथ्य में प्रतियोगिता का शुभारंभ किया जाएगा। तीन दिन चलने वाले इस अखिल भारतीय वालीबॉल प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर की हरियाणा ,उत्तराखंड ,छत्तीसगढ़ पुलिस,पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर,दिल्ली सहित उत्तरप्रदेश बनारस की कुल 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं ये 06 टीमें इस प्रतियोगिता का हिस्सा बन रही है। कार्यक्रम का समापन मैच 14 मार्च को खेला जाएगा समापन मैच के मुख्य अतिथि यू.टी.कंजरकर महाप्रबंधक (खनन) हसदेव क्षेत्र,कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ.आर.आर सिंह डिप्टी डायरेक्टर,नेहरु युवा केंद्र संगठन (भारत सरकार) एवं विशिष्ट अतिथियों प्रदीप कुमार जीएम (ऑपरेशन)हसदेव क्षेत्र,एमपी सिंह उपक्षेत्रीय प्रबंधक राजनगर,मनोज कुमार अग्रवाल पूर्व विधायक कोतमा,आर.के. वैश्य थाना प्रभारी रामनगर,संजय मिश्रा उपक्षेत्रीय प्रबंधक कुरजा, एल.पी.तिर्की एपीएम हसदेव क्षेत्र एवं डी.आर.सुथार उपक्षेत्रीय प्रबंधक बिजुरी के आतिथ्य में खेला जाएगा।

कार्यक्रम से संबंधित सभी तैयारियां फ्रेंड्स यूनियन क्लब और संचालन समिति ने लगभग पूर्ण कर ली है, कोयलांचल क्षेत्र का पौराधार क्षेत्र वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए भी कई वर्षों से जाना जाता आ रहा है। ज्ञात हो कि इस कोयलांचल क्षेत्र के कई कालरी कामगार कोल इंडिया एवं एसईसीएल लेबल में अपनी वॉलीबॉल खेल का प्रतिभा दिखा चुके हैं,पौराधार और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले कोल इंडिया/एसईसीएल की टीम का हिस्सा रहे पूर्व के खिलाड़ियों की इच्छा शक्ति और मनोबल के कारण ही छोटे से स्थान पौराधार में इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन फ्रेंडश यूनियन क्लब और युवा साथियों के साथ मिलकर किया जा रहा है । इस कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका निभाने के लिए राष्ट्रीय स्तर के रेफरी अभय गिरोडकर रायपुर ,संतोष सिंह रायपुर,प्रदीप कुमार यादव धमतरी कांकेर ,सहित स्टेट रेफरी एसएन दास गुप्ता विश्रामपुर,बृजमोहन तिवारी, आलोक सिंह,मनोज तिवारी संपन्न होने वाले वॉलीबॉल प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका का निर्वहन करेंगे। वॉलीबॉल प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए फ्रेंड्स यूनियन क्लब ,सन्चालन समिति,क्षेत्र के लोग हर प्रकार से अपना अपना योगदान दे रहे हैं। इसी कड़ी में क्षेत्र के खेल प्रेमियों से संचालक समिति के सदस्य जसवीर सिंह, जमील खान,मनोज कुमार श्रीवास्तव,भरत भूषण सिंह, सुशील कुमार राव,उपेंद्र सिंह, आलोक कुमार मित्रा,राम नारायण यादव,रमेश सिंह, ठाकुर राम,आर.एन.पांडे, अमरदीप सिंह,अप्रेसदास, करुणा सिंह,दिलीप सिंह, विपिन दुबे,अंतोष साव, विक्की,चिंकू मोहंती,विकास सहित संचालन समिति के सभी सदस्य एवं फ्रेंडस यूनियन क्लब के संरक्षक रामाधार गौतम,अशोक कुमार दुबे,अध्यक्ष सुनील कुमार चौरसिया,उपाध्यक्ष सत्यदेव सिंह,सचिव जगदीश कुमार पटेल,सह सचिव विक्रमादित्य चौरसिया, कोषाध्यक्ष संजय राव ने भी अधिक से अधिक क्षेत्रवासियों से वॉलीबॉल ग्राउंड पहुंचकर वॉलीबॉल खेल का लुफ्त उठाने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

विधायक वालीवॉल कप प्रतियोगिता में बरगवां ने अनूपपुर व खांडा को हराकर पहुंची सेमीफाइनल में

खेल में हार जीत मायने नही बल्कि खेल सर्वोपरि होता है

अनूपपुर। म.प्र. शासन के निर्देशानुसार खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री बिसाहूलाल सिंह मार्गदर्शन में विधायक कप 11 मार्च से 13 मार्च तक वालीवॉल महिला/पुरूष प्रतियोगिता का आयोजन जिला खेल परिसर चचाई रोड अनूपपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर अभिषेक राजन उपस्थित रहे। जहां मुख्य अतिथि ने अनूपपुर और बरगवां टीम के खिलाडियों से उनका परिचय प्राप्त किया। उन्होने कहा कि खेल को खेलभावना से खेलना चाहिये, खेल में हार जीत होता है लेकिन इनमें सर्वोपरी खेल है। जिला वालीवॉल संघ के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा ने कहा जिले में वालीवॉल खेल के लिये जिला वालीवॉल संघ हर संभव प्रयास करेंगा। इस अवसर पर किसान मोर्चा जिला महामंत्री पुरूषोत्तम पटेल व ओबीसी जिला उपाध्यक्ष अनिल पटेल, जिला वालीवॉल संघ के संरक्षक दिनेश पटेल,जिला कार्यवाहक अध्यक्ष सिद्धार्थ शिव सिंह , कोषाध्यक्ष प्रदीप यादव व मीडिया प्रभारी संदीप गर्ग उपस्थित रहे। उद्घाटन मैच ग्राम पंचायत खांडा और अपूपपुर के बीच खेला गया, जिसमें अनूपपुर टीम विजेता, दूसरा मैच खांडा और बरगवां के बीच खेला गया जिसमें बरगवां टीम विजेता एवं तीसरा मैच अनूपपुर और बरगवां के बीच खेला गया जिसमें बरगवां टीम विजेता रही। जिस पर बरगवां टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई। बरगवां टीम के खिलाडियों में विनोद पांडेय, त्रिवेणी शंकर तिवारी और मृदुल सिंह का खेल सराहनीय रहा।

कार्यक्रम के दौरान जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला खेल प्रशिक्षक रामचंद्र यादव, सहायक ग्रेड 3 अजय मंडलोई, ग्रामीण युवा समन्वयक जेतहरी दिनेश कुमार सिंह चंदेल व पूरी सिंह श्याम उपस्थित रहे। निर्णायक के रूम में चेतन कुमार श्रीवास क्रीडा अधिकारी जैतहरी, धनीराम वनवासी व्यायाम शिक्षक भारत ज्योति स्कूल अनूपपुर, विवेक यादव व्यायाम शिक्षक कन्या शिक्षा परिसर अनूपपुर व शिक्षक मौहरी संजय श्रीवास्तव ने निभाई।

कलयुगी पिता ने अपनी ही बेटी को बनाया हवस का शिकार।

पोंडी पुलिस ने आरोपी को दिखाई जेल की राह।

कोरिया। जिले के पोंडी थाना अंतर्गत अपनी नाबालिग बेटी से दुष्कर्म करने के मामले में फरार चल रहे उसके कलयुगी पिता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उपरोक्त मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी पोंड़ी उप निरीक्षक सुनील सिंह ने बताया कि पीड़ित बालिका अपनी मां और मितानिन के साथ 28 फरवरी 2022 को थाना पोड़ी आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि करीब एक साल से इसका पिता इसकी मां की अनुपस्थिति में इसके साथ लगातार शारीरिक शोषण करते आ रहा है और मना करने पर जान से मारने की धमकी देता था। जब वह गर्भवती हो गई तब घटना की जानकारी अपनी मां व अन्य को बताई तब इसका पिता घर से जंगल की ओर भाग गया। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर घटना की जानकारी थाना प्रभारी पोड़ी उप निरीक्षक सुनील सिंह द्वारा तत्काल पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर को दी गई जिनके द्वारा तत्काल आरोपी को गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह एवम नगर पुलिस अधीक्षक चिरमिरी पी.पी. सिंह के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में फरार आरोपी को पकड़ने के लिये एक टीम बनाया गया। आरोपी की दिन रात लगातार साजापहाड़ आसपास के जंगल में तलाश की जाती रही। पुलिस ने 11 मार्च 2022 को आरोपी उम्र 37 वर्ष थाना पोड़ी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी उप निरीक्षक सुनील सिंह, आरक्षक रामकृपाल सिंह,आरक्षक मो.शहबाज, अशोक एक्का, नियाजउद्दीन, मनोज कुमार, एनसीओ अजय दुबे की सराहनीय भूमिका रही।

मंदिर पर चली प्रशासनिक जे सी बी पर बिफरे परम धर्म सांसद श्रीधर शर्मा

बुढ़ार। शहडोल जिले के बुढ़ार में दो दिन पूर्व प्रशासन के द्वारा की गई कार्यवाही में देवालय को गिराकर निंदनीय कार्य किया गया। उक्त कार्यवाही के समय कई पत्रकार साथी मौजूद थे और कई हिन्दू धर्म के अनुयायी उस घटना स्थल पर मौजूद थे परंतु प्रशासन की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बलबूते हिन्दू धर्म व हिंदुत्व पर वार करते हुए प्रशासन ने मंदिर को ध्वस्त कराया, जो कि शर्मनाक है। परम धर्म सांसद श्रीधर शर्मा ने कहा कि परम धर्म संसद शहडोल उक्त कार्यवाही की घोर निंदा करती है, यह कार्यवाही एक ओर हिंदुओ की आस्था पर कुठाराघात को प्रदर्शित करती है तो दूसरी ओर हिंदुत्व के नाम पर समूचे प्रदेश व देश में सक्रिय हिन्दू संगठनों की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह उठाती है कि हिंदुओं का एक देवालय तोड़ दिया जाता है और अब तक किसी संगठन ने प्रशासन के समक्ष जाकर यह पूंछने की जुर्रत नहीं की,कि किस कार्यवाही और किसके आदेश के तहत उक्त कार्यवाही को अंजाम दिया गया है? कोई भी देवालय हमारी आस्था का प्रतीक होता है और उस मंदिर पर समूचे हिन्दू समुदाय की आस्था जुड़ी हुई है, फिर कैसे प्रशासन ने एक देवस्थल पर बुलडोजर चलाकर हिंदुओं की आस्था को चोट पहुंचाने व हिंदुत्व पर कुठाराघात करने की चेष्टा की? समूचे जिले में कई हिन्दू संगठन निरंतर अपनी उपस्थिति का आभाष कराते रहते हैं और हिन्दू हितों की बातें करते हैं लेकिन एक देवालय पर बुलडोजर चलने पर सभी हिन्दू संगठन मौन क्यों? ये सभी प्रश्न किसी व्यक्ति विशेष के प्रश्न नहीं हैं, ये प्रश्न है आम जनता के, जो हिन्दू धर्म के प्रति, अपने देवालयों के प्रति अटूट श्रद्धा रखते हैं और इस कार्यवाही के बाद सहमे हुए हैं कि इस प्रकार की कार्यवाही कहीं हमारी आस्था को कमजोर करने की साजिश तो नहीं?

खेल को बढ़ावा देने पूरे प्रयास किए जाएंगे–सिद्धार्थ

अनूपपुर (ब्यूरो)। म.प्र. शासन के निर्देशानुसार माननीय बिसाहूलाल सिंह मंत्री खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मध्यप्रदेश शासन के मार्गदर्शन व निर्देशन में विधायक कप प्रतियोगिता दिनांक 11/03/2022 से 13/03/2022 (विधानसभा क्षेत्र अनूपपुर) में व्हॉलीबाल महिला पुरूष प्रतियोगिता जिला खेल परिसर चचाई रोड अनूपपुर में आयोजित कि गई।दिनांक 12/03/2022 के मुख्य अतिथि जिला व्हॉलीबाल के संघ संरक्षक लक्ष्मण आशीष त्रिपाठी, दिनेश पटेल, जिला व्हॉलीबाल संघ के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा,जिला व्हॉलीबाल संघ के कार्यवाहक अध्यक्ष सिद्धार्थ शिव सिंह, जिला व्हॉलीबाल संघ के सहकोषाध्यक्ष उमेश राय, सह सचिव सतेन्द्र दुबे,संदीप गर्ग मीडिया प्रभारी उपस्थित रहें। मुख्यअतिथि महोदय ने जैतहरी और बरगवॉ टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।सिद्धार्थ शिव सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि विधायक कप प्रतियोगिता शासन का सराहनीय प्रयास है। व्हॉलीबाल खेल को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया जाएगा। वॉलीबॉल टीम के संरक्षक लक्ष्मण राव ने कहा कि खिलाड़ी खेल भावना से खेल को खेलें हार जीत तो होना ही है कोई जीतेगा कोई हारेगा।आज का पहला मैच अनूपपुर ए टीम और पटना के बीच खेला गया जिसमें

अनूपपुर ए टीम विजेता रही।दूसरा मैच अनूपपुर ए टीम और मोजर वेयर के बीच खेला गया जिसमें अनूपपुर ए टीम विजेता रही। तीसरा मैच चचाई और मोजर वेयर के बीच खेला गया जिसमें चचाई टीम विजेता रही। चौथा मैच चचाई और पटना के बीच खेल गया जिसमें चचाई टीम विजेता रही। पांचवा मैंच चचाई और अनूपपुर ए टीम के बीच खेला गया जिसमें अनूपपुर ए टीम विजेता रही। इस प्रकार अनूपपुर ए टीम अपने पुल से सेमीफाईनल के लिए क्वालिफाई कर ली है। लंच के बाद पहला मैच जैतहरी बी टीम और संजय नगर के बीच खेल गया जिसमें जैतहरी बी टीम विजेता रही।

अनूपपुर में विधायक कप वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन रविवार को

विधानसभा क्षेत्र अनूपपुर के विधायक कप वॉलीबॉल प्रतियोगिता वर्ष 2021 -22 का समापन समारोह 13 मार्च दिन रविवार को अपराहन 3:00 बजे से जिला खेल परिसर,चचाई रोड, अनूपपुर में आयोजित किया गया है उक्त आशय की जानकारी देते हुए जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी अनूपपुर ने बताया है कि समापन समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक बिसाहूलाल सिंह होंगे उन्होंने सभी खेल प्रेमियों, नागरिकों से विधायक कप वॉलीबॉल प्रतियोगिता के समापन समारोह में पहुंच कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने व खेल का आनंद प्राप्त करने समारोह में सहभागिता की अपील की है।

संपादकीय

ब्रेक फेल गाड़ी की तरह दौड़ रही कांग्रेस ना जाने कहाँ जाकर टकरायेगी

कांग्रेस में कई अत्यंत सुयोग्य, प्रभावशाली और लोकप्रिय नेता अब भी हैं लेकिन वे नेशनल कांग्रेस (एनसी) याने 'नौकर-चाकर कांग्रेस' बन गए हैं। मालिक कुर्सी खाली करने को तैयार हैं लेकिन नौकरों की हिम्मत नहीं पड़ रही है कि वे उस पर बैठ जाएं। पांच राज्यों के चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस की कार्यसमिति की बैठक में वही हुआ, जो पहले भी हुआ करता था। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि यदि पार्टी कहे तो हम तीनों (माँ, बेटा और बेटी) इस्तीफा देने को तैयार हैं। पांच घंटे तक चली इस बैठक में एक भी कांग्रेसी की हिम्मत नहीं पड़ी कि वह नेतृत्व-परिवर्तन की बात खुलकर कहता। जो जी-23 समूह कहलाता है, जिस समूह ने कांग्रेस के पुनरोद्धार के लिए आवाज बुलंद की थी, उसके कई मुखर सदस्य भी इस बैठक में मौजूद थे लेकिन जी-23 अब जी-हुजूर-23 ही सिद्ध हुए। उनमें से एक आदमी की भी हिम्मत नहीं पड़ी कि वह कांग्रेस के नए नेतृत्व की बात छेड़ता। सोनिया गांधी का रवैया तो प्रशंसनीय है ही और उनके बेटे राहुल गांधी को मैं दाद देता हूं कि उन्होंने कांग्रेस-अध्यक्ष पद छोड़ दिया लेकिन मुझे कांग्रेसियों पर तरस आता है कि उनमें से एक भी नेता ऐसा नहीं निकला, जो खम ठोककर मैदान में कूद जाता। वह कैसे कूदे? पिछले 50-55 साल में कांग्रेस कोई राजनीतिक पार्टी नहीं रह गई है।

वह पोलिटिकल पार्टी की जगह प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन गई है। उसमें कई अत्यंत सुयोग्य, प्रभावशाली और लोकप्रिय नेता अब भी हैं लेकिन वे नेशनल कांग्रेस (एनसी) याने 'नौकर-चाकर कांग्रेस' बन गए हैं। मालिक कुर्सी खाली करने को तैयार हैं लेकिन नौकरों की हिम्मत नहीं पड़ रही है कि वे उस पर बैठ जाएं। उन्हें दरी पर बैठे रहने की लत पड़ गई है। यदि कांग्रेस का नेतृत्व लंगड़ा हो चुका है तो उसके कार्यकर्ता लकवाग्रस्त हो चुके हैं। कांग्रेस की यह बीमारी हमारे लोकतंत्र की महामारी बन गई है। देश की लगभग सभी पार्टियां इस महामारी की शिकार हो चुकी हैं। भारतीय मतदाताओं के 50 प्रतिशत से भी ज्यादा वोट प्रांतीय पार्टियों को जाते हैं। ये सब पार्टियां पारिवारिक बन गई हैं। कांग्रेस चाहे तो आज भी देश के लोकतंत्र में जान फूंक सकती है। देश का एक भी जिला ऐसा नहीं है, जिसमें कांग्रेस विद्यमान न हो। देश की विधानसभाओं में आज भाजपा के यदि 1373 सदस्य हैं तो कांग्रेस के 692 सदस्य हैं। लेकिन पिछले साढ़े छह साल में कांग्रेस 49 चुनावों में से 39 चुनाव हार चुकी है। उसके पास नेता और नीति, दोनों का अभाव है। मोदी सरकार की नीतियों की उल्टी-सीधी आलोचना ही उसका एक मात्र धंधा रह गया है। उसके पास भारत को महासंपन्न और महाशक्तिशाली बनाने का कोई वैकल्पिक नक्शा भी नहीं है।

सेकुलर साजिशें बेनकाब, उत्तर प्रदेश में एक बार फिर उपयोगी साबित हुए योगी

2022 के विधानसभा चुनावों में एक बार फिर वो सभी सर्वे फेल हो गये हैं जिनमें कई पत्रकार बंधु भाजपा को अधिक से अधिक 217 से 230 सीटों पर ही सिमटा रहे थे और एक-दो पत्रकार भाजपा को 140 से 170 सीटें भी दे रहे थे। आज वह सभी पत्रकार अपना सिर खुजला रहे हैं और विचार कर रहे हैं कि आखिर ऐसा क्या हुआ है कि प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता अभी भी कायम है। उत्तर प्रदेश में भाजपा के विजय रथ को रोकने के लिए सभी प्रकार के हथकंडे अपनाये गये चाहे वह किसान आंदोलन हो, लखीमपुर-खीरी की हिंसा का मामला हो या फिर हाथरस की दुर्भाग्यपूर्ण घटना रही हो। प्रदेश के विधानसभा चुनावों में बीजेपी को हराने के लिए कर्नाटक से हिजाब का एजेंडा चलाया गया, जगह-जगह हिजाब को लेकर सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश की गयी लेकिन प्रदेश के समझदार मतदाता ने सभी साजिशों और समीकरणों को ध्वस्त कर दिया।

वर्ष 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव परिणामों पर पूरे भारत की ही नहीं अपितु विदेशी मीडिया की भी निगाहें थीं और कई प्रकार के विमर्श गढ़े जा रहे थे लेकिन उन सभी को उत्तर प्रदेश के मतदाताओं ने ध्वस्त कर दिया है। प्रदेश की जनता ने सभी राजनैतिक दलों को धूल चटा दी है और सुरक्षा, विकास स्थिरता व राष्ट्रवाद के नारे को प्राथमिकता देते हुए एक बार फिर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को विजयश्री दिलायी है।

2022 के विधानसभा चुनावों में एक बार फिर वो सभी सर्वे फेल हो गये हैं जिनमें कई पत्रकार बंधु भाजपा को अधिक से अधिक 217 से 230 सीटों पर ही सिमटा रहे थे और एक-दो पत्रकार भाजपा को 140 से 170 सीटें भी दे रहे थे। आज वह सभी पत्रकार अपना सिर खुजला रहे हैं और विचार कर रहे हैं कि आखिर ऐसा क्या हुआ है कि प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता अभी भी कायम है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा के विजय रथ को रोकने के लिए सभी प्रकार के हथकंडे अपनाये गये चाहे वह किसान आंदोलन हो, लखीमपुर-खीरी की हिंसा का मामला हो या फिर हाथरस की दुर्भाग्यपूर्ण घटना रही हो। प्रदेश के विधानसभा चुनावों में बीजेपी को हराने के लिए कर्नाटक से हिजाब का एजेंडा चलाया गया, जगह-जगह हिजाब को लेकर सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश की गयी लेकिन प्रदेश के समझदार मतदाता ने सभी साजिशों और समीकरणों को ध्वस्त कर दिया। प्रदेश के विरोधी दलों की ओर से झूठा विमर्श गढ़ा गया कि प्रदेश का ब्राह्मण समाज, पश्चिम का जाट समाज व किसान योगी सरकार से नाराज है लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। भारतीय जनता पार्टी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के कारण मुस्लिम समाज को छोड़कर शेष समाज के सभी वर्गों का वोट मिला है। भारतीय जनता पार्टी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कर्मठ और ईमानदार छवि का भी लाभ मिला है। योगी भाजपा के असली कर्मयोद्धा बनकर उभरे हैं। प्रदेश की जनता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने अपराधियों के प्रति जो नीतियां अपनायीं उसके लिए अपना समर्थन दिया है। योगी सरकार में महिलाओं व कॉलेज जाने वाली युवतियों में सुरक्षा की भावना पैदा हुयी जिससे उन्होंने योगी के नेतृत्व में भाजपा को भरपूर वोट दिया है। योगी के कार्यकाल में लगभग दो वर्ष कोरोना महामारी का प्रकोप रहा। योगी का सक्षम कोरोना प्रबंधन सभी ने देखा। कोरोना कालखंड में भाजपा सरकार ने जिस प्रकार से 15 करोड़ परिवारों को फ्री राशन उपलब्ध कराया है वह महतवपूर्ण है। कठिन समय में सरकार का वह साथ आम जनता के मन व दिमाग में पूरी तरह से समा गया था जिसका परिणाम आज आया है। जब प्रदेश के विरोधी दलों को समझ में आया कि फ्री वैक्सीनेशन और राशन का असर मतदाता के दिलोदिमाग पर पड़ रहा है तब उनकी ओर से यह झूठा प्रचार

■ प्रधानमंत्री ने रैलियों में गरीबों को भरोसा दिलाया था कि गरीब के घर में दोनों समय चूल्हा जले यह हमारी जिम्मेदारी है।

किया गया कि यह फ्री का राशन केवल चुनावों तक ही मिलेगा लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से एक टीवी कार्यक्रम में ही यह ऐलान कर दिया गया था कि प्रदेश में बीजेपी सरकार की वापसी के बाद भी फ्री का राशन मिलता रहेगा। फ्री राशन के अतिरिक्त शौचालय, घर जैसी अकल्पनीय चीज़ पाने वाले विभिन्न लाभार्थी मतदाताओं ने भी बीजेपी को विजय दिलाने में सहयोग किया है। प्रदेश में भाजपा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन का भी मत मिला है। केंद्र की मोदी सरकार के प्रति जनसंतोष ने भी यूपी में भाजपा की बड़ी सहायता की है। उज्ज्वला, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित कई योजनाओं के कारण भाजपा ने अपना एक नया मतदाता वर्ग तैयार कर लिया है जिसका असर चुनाव परिणामों में देखने को मिला है। एक सर्वे में 38 प्रतिशत लोगों ने विकास को अपनी प्राथमिकता बताया। गरीब कल्याणकारी योजनाओ का असर भांप रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री यागी आदित्यनाथ ने जनसभाओं से इन योजनाओं का प्रचार भी लगातार किया जिसका असर यह हुआ कि बसपा का जाटव सहित दलित वोट बैंक बड़ी मात्रा में भाजपा के पाले में चला गया और आज प्रदेश की राजनीति में बसपा हाशिये पर चली गयी है। इन चुनाव परिणामों से एक बात यह भी साबित हो गयी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रैलियों व रोड शो का भरपूर असर हुआ है।। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित सभी नेताओं ने अपनी जनसभाओं में विकास योजनओं के साथ-साथ सपा सरकार के कार्यकाल के दौरान अपराध, उनकी गुंडई, भ्रष्टाचार को मुददा बनाया और अहमदबाद कोर्ट का फैसला आने के बाद प्रधानमंत्री ने वह मुद्दा भी खूब जोरशोर से उठाया और समाजवादी पार्टी को पूरी तरह से बेनकाब कर डाला। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा के नजरिये से सबसे कठिन माने जा रहे पश्चिमी उप्र की जिम्मेदारी संभाली और परिणाम आज सबके सामने है। प्रदेश के विधानसभा चुनाव परिणामों से यह निष्कर्ष भी निकल रहा है कि अब भारतीय जनता पार्टी अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं के बल पर समाज के सभी जाति व वर्ग की पार्टी बन चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कई जनसभाओं में स्पष्ट किया कि वह केवल गरीबों की सेवा ही करना चाहते हैं और सदा करते रहेंगे। वाराणसी की अंतिम जनसभा में प्रधनमंत्री ने जिस प्रकार से गरीबी और गरीबों की सेवा करने की बात कही थी उसका असर साफ दिखायी पड़ा। प्रधानमंत्री ने रैलियों में गरीबों को भरोसा दिलाया था कि गरीब के घर में दोनों समय चूल्हा जले यह हमारी जिम्मेदारी है। उनके भाषण का ही असर रहा कि आज वाराणसी की सभी आठ सीटों पर कमल का फूल खिल रहा है। चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि गरीबों के मसीहा की बनकर उभरी है और इसका लाभ भाजपा को हर राज्य में मिल रहा है। चुनावों के दौरान विरोधी दलों की ओर से भाजपा की छवि को धूमिल करने का हरसंभव प्रयास किया गया। चुनाव से पहले चर्चा फैलाई गयी कि ब्राह्मण वर्ग योगी सरकार से नाराज है जबकि चुनाव बाद का सर्वे बता रहा है कि भाजपा को 89 प्रतिशत ब्राह्मणों ने वोट दिया है जोकि 2017 की तुलना में छह गुणा अधिक है। यही नहीं 2017 में तत्कालीन प्रदेश सरकार की तुलना में योगी सरकार के प्रति जनता की संतुष्टि भी साठ प्रतिशत से अधिक रही। चुनाव परिणामों से एक संदेश दलबदलू नेताओं को भी मिल भी गया है। अंतिम समय में दल बदलने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य, धर्म सिंह सैनी आदि को भारी हार का सामना करना पड़ा है।

ना बंधन ना गठबंधन बुलडोजर वाले बाबा का यूपी की जनता ने किया अभिनंदन

देश के पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम 10 मार्च को आ चुकें है, इन चुनाव परिणामों में भाजपा ने चार राज्यों में एकबार फिर ऐतिहासिक जीत हासिल करके अपना जलवा कायम रखा है। वैसे देखा जाए तो पूरी चुनाव प्रक्रिया के दौरान राजनीति में रुचि रखने वाली देश की अधिकांश जनता कि निगाहें हर पल उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों पर ही लगी हुई थी। देश विदेश के अधिकांश राजनीतिक विश्लेषकों व कुछ लोगों का यह मानना था कि उत्तर प्रदेश के चुनावों में कोरोना काल की ज्वलंत समस्याओं, रोजी-रोटी, लंबे समय तक चले किसानों के आंदोलन का बहुत ही व्यापक असर योगी सरकार के विरोध में देखने को अवश्य मिलेगा। लेकिन 10 मार्च को उत्तर प्रदेश में जब चुनाव परिणाम आए

तो योगी ने प्रचंड बहुमत 255 सीटों के साथ चुनावों में विजय हासिल करके बहुत सारे राजनीतिक विश्लेषकों को आश्चर्यचकित करने का कार्य कर दिया है।

हालांकि जो लोग धरातल पर जाकर पूरे चुनावी घमासान को नजदीक से देख रहे थे उनके सामने यह स्पष्ट था कि अबकी बार उत्तर प्रदेश में योगी एक बहुत बड़े ब्रांड के रूप में बनकर उभर रहे हैं, लोगों का एक बहुत बड़ा वर्ग उन्हीं के नाम से प्रभावित होकर जाति-धर्म व दलगत राजनीति के बैरियर तोड़कर भाजपा को वोट करने का कार्य कर रहा है, क्योंकि इस बार जन अदालत में बुलडोजर वाले बाबा के नाम से मशहूर हो चुके योगी आदित्यनाथ के प्रति जबरदस्त रूप से दिवानगी देखने को मिली है, योगी की बेहद ईमानदार मेहनती सख्त प्रशासक की छवि, अपराधियों के प्रति सख्त कार्यवाही करने की उनकी कार्यशैली ने मतदाताओं के एक बड़े वर्ग को बेहद आकर्षित करने का कार्य किया है। जिससे चुनावी रणभूमि में भाजपा से नाराज़ होने वाले मतदाताओं की बड़ी भरपाई धरातल पर हुई है। हालांकि किसी भी स्तर के चुनावों में विजय ईमानदारी से सामुहिक सहयोग के बलबूते ही संभव है, उसी ने 37 वर्ष के बहुत लंबे अरसे बाद उत्तर प्रदेश में लगातार दोबारा फिर से किसी पार्टी की सरकार को बनने का अवसर प्रदान किया है। वैसे उत्तर प्रदेश में जिस तरह से योगी आदित्यनाथ ने चुनावी रणभूमि में दिन-रात एक करके मेहनत की वह बेहद काबिले तारीफ है।

इस बार के विधानसभा चुनावों में दलबदलुओं को जनता ने अच्छा सबक सिखाया है

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से ऐन पहले दलबदल करने वाले ज्यादातर विधायकों का दांव खाली गया और ऐसे 80 प्रतिशत जनप्रतिनिधि सियासी संग्राम में सफलता हासिल नहीं कर सके। दलबदल कर विभिन्न राजनीतिक दलों का हाथ थामने वाले इन 21 विधायकों में से सिर्फ चार को ही जीत नसीब हुई है। हम आपको बता दें कि पाला बदलने वाले इन विधायकों में से 9 भाजपा जबकि 10 सपा के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरे थे। जिन प्रमुख नेताओं को हार का सामना करना पड़ा उनमें उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य व धर्म सिंह सैनी के अलावा बरेली की पूर्व महापौर सुप्रिया ऐरन शामिल हैं। ये नेता चुनाव से ऐन पहले समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए थे। उत्तर प्रदेश में 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बनी सरकार में करीब पांच वर्ष तक मंत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्य, दारा सिंह चौहान और धर्म सिंह सैनी ने ऐन चुनाव के मौके पर भाजपा पर पिछड़ों और दलितों की उपेक्षा का आरोप लगाकर मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और समाजवादी पार्टी में शामिल होकर अखिलेश यादव के नेतृत्व में पिछड़ों को एकजुट करने की मुहिम शुरू की थी लेकिन खुद ही चुनाव हार गये। स्वामी प्रसाद मौर्य ने तो दावा किया था कि वह भाजपा की चूलें हिला देंगे और उसे नेस्तनाबूत कर देंगे लेकिन उनकी खुद की चूलें ऐसी हिल गयी हैं कि लंबे समय तक अब राजनीतिक रूप से वापस खड़े नहीं हो पाएंगे। अखिलेश यादव के समक्ष भी अब स्वामी प्रसाद मौर्य की राजनीतिक हैसियत का खुलासा हो गया है इसीलिए अब वह भी उन्हें शायद पहले की तरह तवज्जो नहीं दें। उत्तर प्रदेश की ही तरह यदि उत्तराखण्ड की ओर देखें तो वहां भी भाजपा को मटियामेट कर देने के दावे करने वाले यशपाल आर्य और हरक सिंह रावत खुद ही राजनीतिक रूप से मटियामेट हो गये।

होली पर्व को लेकर सजे बाजार, खूब होगी रंगों की बौछार

रायसेन। जिले में कोरोना संक्रमण से मुक्ति मिलने पर दो वर्ष बाद होली पर्व धूमधाम से मनाने को लेकर तैयारियां चल रही हैं। इस बार मौसम की अनुकूलता के चलते फसलों की अच्छी पैदावार से किसान, व्यापारी सहित सभी लोगों में खुशी का माहौल है। रबी सीजन की फसलें कटकर बाजार में बिकने आने लगी हैं।

किसानों व व्यापारियों के पास पैसा आने से बाजार में भी रौनक बढ़ गई है। होली पर्व को लेकर बाजार सज गया है। जिसमें लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। होली पर्व उत्साह से मनाने को लेकर रंग-गुलाल, पिचकारियां व अन्य आवश्यकता की सामग्री खरीदने के लिए बाजार में ग्राहकों की भीड़ नजर आ रही है। जिला मुख्यालय सहित अन्य सभी नगरीय व कस्बा क्षेत्रों में रंग-गुलाल, पिचकारियों की सैकड़ों दुकानें लगी हुई हैं। पांच रुपये से लेकर पांच सौ रुपये तक कीमत की पिचकारियां बाजार में मौजूद हैं। जिले भर में होली पर्व पर दो सौ करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने का अनुमान है। जिले में हर्षोल्लास व सद्भावना के साथ होली सहित अन्य पर्व मनाए जाने के उद्देश्य से जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अरविन्द कुमार दुबे की अध्यक्षता में सोमवार को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। जिले में 17 मार्च को होलिका दहन, 18 मार्च को धुलेडी और शब ए बारात, 22 मार्च को रंगपंचमी, 2 अप्रैल को गुड़ी पड़वा और चैती चांद, 10 अप्रैल को रामनवमी, 14 अप्रैल को महावीर जयंती एवं आम्बेडकर जयंती तथा 3 मई को परशुराम जयंती मनाई जाएगी। बैठक में कलेक्टर दुबे ने होलिका दहन के दूसरे दिन धुलेंडी तथा रंग पंचमी पर निकलने वाले जुलुसों के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने नगर पालिका, विद्युत सहित अन्य विभागों को सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही होलिका दहन के स्थान पर विद्युत तथा केबल के तारों को पर्याप्त ऊंचाई पर व्यवस्थित करने के लिए निर्देश विद्युत अधिकारी को दिए गए।

मंत्रियों के हाथों मिला नमूना चेक लेकर घूम रहा किसान

गैरतगंज, रायसेन। जिले में गत 12 फरवरी को कलेक्ट्रेट स्थित जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के सहकारिता व जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया व क्षेत्रीय विधायक व प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने गैरतगंज के किसान नारायण सिंह धाकड़ को प्रधानमंत्री फसल बीमा दावा भुगतान के तहत चार लाख 15 हजार रुपये का नमूना चेक दिया था। तब मंत्रीद्वय व अधिकारियों ने किसानों के खातों में तुरंत राशि पहुंचने का वादा किया था। पिछले एक माह से किसान नमूना चेक लेकर बैंक के चक्कर काट रहा है, लेकिन उसके खाते में अब तक राशि नहीं पहुंची है। किसान धाकड़ ने बताया कि उसकी 24 बीघा भूमि खरीफ की फसल 2020 में खराब हो गई थी। जिसके लिए उन्होंने फसल बीमा कंपनी में दावा किया था। बीमा दावा भुगतान राशि का नमूना चेक किसान धाकड़ को सार्वजनिक रूप से दिया गया। इसके बावजूद उसके खाते में राशि नहीं पहुंची। किसान के खाते में फसल बीमा दावा भुगतान राशि नहीं पहुंचने पर सभी अपना पल्ला झाड़ रहे हैं।

प्रशासन ने कंडों की होलिका दहन व सूखी होली मनाने की अपील की

गैरतगंज। होली, रंगपंचमी सहित अन्य मुख्य त्योहार परम्परागत ढंग से शांति और सदभाव के माहौल में मनाए जाएं। यह निर्णय गैरतगंज थाना परिसर में आयोजित शांति समिति की बैठक में लिया गया। होली, रंगपंचमी, शबे ए बरात, रमजान, चैत्र नवरात्रि सहित अन्य त्यौहारों के मद्देनजर शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में एसडीएम रवीश श्रीवास्तव, तहसीलदार मोतीलाल अहिरवार, थाना प्रभारी डीडी आजाद, सीएमओ रितु मेहरा, जेई नीरज नामदेव सहित अन्य अधिकारी एवं नागरिक मौजूद रहे। एसडीएम श्रीवास्तव ने गोबर के कंडों की होली जलाने की अपील की। उन्होंने गुलाल के साथ सूखी होली मनाने पर जोर दिया। ताकि जल का अपव्यय न हो। उन्होंने रंगपंचमी के मौके पर भानपुरगंज में भरने वाले मिनी करीला मेले की व्यवस्थाओं पर चर्चा की। त्योहारों के मौके पर किसी भी स्थिति में शांति भंग न हो इस हेतु नागरिक प्रषासन का सहयोग करें। उत्पाती व असामाजिक तत्वों की सूचना तत्काल पुलिस को उपलब्ध कराएं। बैठक में मौजूद नागरिकों ने व्यवस्थाओं के बारे में अपना-अपना पक्ष रखा।

अनुकूलता, प्रतिकूलता की लहर से विचलित नहीं होना चाहिए- शास्त्री

सुल्तानपुर। श्री राधा कृष्ण मंदिर में चल रही सप्त दिवसीय संगीतमय भागवत कथा के अंतिम दिन कथावाचक संतोष शास्त्री ने कहा कि जीवन में विषमता किसके नहीं आती। जिस तरह समुद्र में लहरें आना समाप्त नहीं होता वैसे ही जीवन में अनुकूलता प्रतिकूलता की एक लहर आती रहती है। इससे कभी विचलित एवं घबराना नहीं चाहिए ऐसे समय में कोई ऐसे निर्णय नहीं लेना चाहिए जो जीवन पर्यंत हमें भुलाया न जा सकेए कथावाचक ने कहा कि विषमता और अनेक चुनौतियां का सामना स्वयं भगवान श्रीकृष्ण किया है। जिनका जन्म भी काल कोठरी जेल में हुआ है। जिन्होंने जन्म से लेकर बाल अवस्था तक अनेक कष्टों को देखा, सहा और उनका निराकरण भी किया। इसलिए जब भगवान स्वयं ने जीवन में विफलताओं का सामना किया है फिर तो हमने मनुष्य योनि में जन्म लिया है तो यह हमारे लिए छोटी सी बात है। कथा के अंतिम दिन नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में लोगों ने भागवत कथा का श्रवण किया। कथा के उपरांत हवन पूजन के साथ महा प्रसादी वितरण एवं भंडारे का आयोजन किया गया। जहां बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। महिला मंडल द्वारा आयोजित भागवत कथा में सभी महिलाओं एवं नगर के लोगों का सराहनीय सहयोग रहा।

शांति समिति की बैठक में त्योहारों पर हुई चर्चा

सुल्तानपुर। त्योहारों को शांति पूर्वक मनाने के लिए थाना सुल्तानपुर में शांति समिति की बैठक हुई। जिसमें तहसीलदार, रंजीत सराठे थाना प्रभारी नगर पालिका अधिकारी अशोक कैथल, हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष कमोद सिंह मीणा एवं मुस्लिम त्योहार कमेटी अध्यक्ष तथा नगर के प्रमुख नागरिक, नगर शिक्षा समिति सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में आगामी त्योहार को मनाने लेकर चर्चा की गई तथा शांतिपूर्वक मनाने हेतु उपस्थित लोगों ने अपने अपने विचार, सुझाव रखें। किशोर रामानी, कन्हैयालाल गोर, प्रमोद श्रीवास्तव, गुललाला खान, रमेश राजपाल, अमन शर्मा, मुकेश नामदेव सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

घाटी की कहानी ने लगाया पचासा, 5वें दिन की सबसे ज्यादा कमाई

मुंबई। द कश्मीर फाइल्स ने महज चार दिनों में बॉक्स ऑफिस पर 47.85 करोड़ रुपये कमाए। वहीं 5वें दिन जबरदस्त वृद्धि दिखाते हुए, 17 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। इसी के साथ फिल्म का कुल कलेक्शन 59 करोड़ रुपये हो गया है। विवेक अग्निहोत्री की फिल्म का दूसरे हफ्ते का कलेक्शन पहले हफ्ते से ज्यादा रहने की उम्मीद है। हमें यकीन है कि यह जल्द ही 100 करोड़ रुपये के क्लब में प्रवेश करेगी। सभी की निगाहें अब होली की छुट्टी पर टिकी हैं। 18 मार्च को रिलीज होने वाली अक्षय कुमार की बच्चन पांडे के साथ इसका मुकाबला देखना भी दिलचस्प होगा।

द कश्मीर फाइल्स के बारे में

द कश्मीर फाइल्स 1990 में कश्मीरी पंडितों द्वारा कश्मीर विद्रोह के दौरान सहे गए क्रूर कष्टों की सच्ची कहानी बताती है। यह एक सच्ची कहानी है, जो कश्मीरी पंडित समुदाय के कश्मीर नरसंहार के पीड़ितों के वीडियो साक्षात्कार पर आधारित है। यह कश्मीरी पंडितों के दर्द, पीड़ा, संघर्ष और आघात का दिल दहला देने वाला आख्यान है। इस फिल्म में अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, दर्शन कुमार, पल्लवी जोशी, भाषा सुंबली और चिन्मय मंडलेकर मुख्य भूमिकाओं में हैं।

कभी सोनपरी के नाम से मशहूर थीं मृणाल कुलकर्णी, आज 'द कश्मीर फाइल्स' को लेकर बटोर रही हैं सुर्खियां

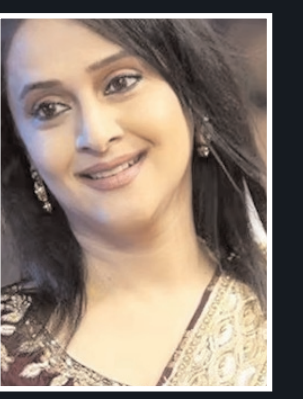

मुंबई। देश का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर में सालों पहले हुए नरसंहार की कहानी बयां करती फिल्म द कश्मीर फाइल्स देश भर में छाई हुई है। इस फिल्म ने रिलीज होने के साथ ही एक तरफ जहां कश्मीर में हुए अत्याचारों पर सवाल उठाया है तो वहीं देश के इस काले इतिहास से अनजान कई लोगों को रूबरू भी कराया है। इस फिल्म को देखकर हर किसी कि रूह कांप उठी है। कश्मीरी पंडितों के साथ हुए अत्याचारों पर आधारित इस फिल्म ने ना सिर्फ कई तरह के सवाल खड़े किए हैं, बल्कि लोगों की आंखें खोल दी है। फिल्म में अलग-अलग किरदार निभाने वाले सभी कलाकार इन दिनों काफी चर्चाओं में हैं। ऐसे में लक्ष्मी दत्त के किरदार में नजर आई अभिनेत्री मृणाल कुलकर्णी भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं। आइए जानते हैं फिल्म में अपने दमदार अदाकारी तारीफ हासिल करने वालीं मृणाल कुलकर्णी के बारे में- 21 जून 1971 में महाराष्ट्र के पुणे में जन्मी मृणाल कुलकर्णी मराठी फिल्म इंडस्ट्री की एक जानी-मानी अभिनेत्री हैं। हालांकि देश भर में उन्हें अपने एक मशहूर टीवी धारावाहिक से लोकप्रियता हासिल हुई। 90 के दशक में टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले मशहूर टीवी शो सोनपरी में सोना आंटी का किरदार निभाने वाले मृणाल कुलकर्णी उन दिनों घर-घर मशहूर हो चुकी थीं। इसके अलावा अभिनेत्री टीवी सीरियल अवंतिका में भी अपने मुख्य किरदार के लिए मशहूर हुई थीं। अभिनय के साथ ही मृणाल मशहूर ब्यूटी प्रोडक्ट विको के कई टीवी विज्ञापनों में भी नजर आ चुकी हैं। 16 साल की उम्र से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वालीं मृणाल कुलकर्णी पहली बार मराठी टीवी शो स्वामी में नजर आई थीं। इस सीरियल में उन्होंने पेशवा माधवराव की पत्नी रमाबाई पेशवा का किरदार निभाया था। इसके बाद वह कई टीवी धारावाहिकों में नजर आई, जिनमें श्रीकांत, द ग्रेट मराठा, हसरतें, द्रौपदी, मीराबाई, टीचर, खेल और स्पर्श जैसे टीवी शो शामिल हैं। हालांकि मृणाल के लिए अभिनय उनकी पहली पसंद नहीं था। पुणे यूनिवर्सिटी से मास्टर्स की डिग्री हासिल करने के बाद वह फिलॉसफी में पीएचडी करना चाहती थीं। लेकिन लगातार एक्टिंग में ऑफर मिलने की वजह से उन्होंने इसी को अपना करियर बना लिया। इनके अलावा अभिनेत्री डायरेक्शन में भी काफी एक्टिव रही हैं। उनके निर्देशन में बनी फिल्म ती एंड ती और 'फरजंद' हिट साबित हुई थी। टीवी के अलावा मृणाल कई हिंदी और मराठी फिल्मों में भी नजर आई हैं। हिंदी फिल्मों की बात करें तो वह मेड इन चाइना, लेकर हम दीवाना दिल, कुछ मीठा हो जाए, जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं। मृणाल कुलकर्णी के निजी जीवन के बारे में बात करें तो अभिनेत्री ने साल 1990 में अपने बचपन के दोस्त और रुचिर कुलर्कणी संग सात फेरे लिए थे। अभिनेत्री का एक बेटा विराजस भी मराठी फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय है।

आलिया भट्ट परिवार के साथ मालदीव में जन्मदिन मना रही हैं

रणबीर भी बर्थडे गर्ल को कर सकते हैं ज्वाइन

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट आजकल जश्न के माहौल में डूबी हैं। एक तरफ जहां आज वह अपनी 29वां जन्मदिन मना रही हैं तो वहीं दूसरी तरफ उनकी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़ रही है, जिस वजह से उन्हें खूब तारीफ मिल रही है। आजकल आलिया भट्ट अपनी बहन शाहीन भट्ट और मां सोनी राजदान के साथ मालदीव में छुट्टियां मनाने पहुंची हैं। वह अपना बर्थडे भी परिवार के साथ मालदीव में ही मना रही हैं। मालदीव आलिया की पसंदीदा जगह में से एक है, इसलिए उन्होंने इस खास दिन पर मालदीव को चुना है। आलिया की बहन शाहीन भट्ट ने मालदीव में चिल करते हुए कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं, जिसमें आलिया भट्ट काले रंग की ड्रेस में पूल के सामने बैठी चिल कर रही हैं। उन्होंने आंखों पर सनग्लासेज लगाए हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में आलिया भट्ट समुंदर किनारे खड़े होकर पोज दे रही हैं। तस्वीर के कैप्शन में शाहीन भट्ट ने लिखा है कि- आप देख सकते हैं कि हमलोग छुट्टियों में कितने खुश हैं। इस खास मौके पर रणबीर कपूर की मां नीतू कपूर ने भी आलिया को जन्मदिन की बधाई दी है। वैसे तो हर खास दिन पर रणबीर और आलिया एकसाथ होते हैं, लेकिन अभी तक इस बात की कोई जानकारी नहीं हो पाई है कि आलिया के बर्थडे पर रणबीर मालदीव पहुंचेंगे या नहीं। हाल ही में खबर आई थी कि आलिया भट्ट और रणबीर कपूर जल्द ही शादी करने जा रहे हैं। हालांकि दोनों की तरफ से अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया गया है। हालांकि आलिया भट्ट ये जरुर कह चुकी हैं कि जब भी उनकी शादी तय होगी तो सभी को जरुर बताएंगी।

स्वरा भास्कर ने बिना नाम लिए विवेक अग्निहोत्री पर कसा तंज, लोगों ने जमकर किया ट्रोल

बीते दिनों सिनेमाघरों में रिलीज हुई विवेक अग्निहोत्री द्वारा निर्देशित फिल्म द कश्मीर फाइल्स देश भर में छाई हुई है। फिल्म में दिखाई गई कश्मीरी पंडितों की सच्चाई हर किसी की आंखें नम कर रही है। फिल्म के सामने आते ही एक बार फिर देश भर में कश्मीरी पंडित और उनके साथ हुए अत्याचारों का मुद्दा सुर्खियों में है। ऐसे में फिल्म देखने के बाद हर कोई इस फिल्म और कश्मीरी पंडितों का समर्थन करता नजर आ रहा है। साथ ही आम लोगों से लेकर कई जानी-मानी हस्तियां भी इस फिल्म की तारीफ करती नजर आ रही हैं। इसी बीच अब बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने भी इस फिल्म पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। लगभग हर मुद्दों पर अपनी राय खुलकर रखने वाली स्वरा भास्कर ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर पर फिल्म का नाम लिए बिना ही कुछ ऐसा लिखा जिसकी वजह से उन्हें जमकर ट्रोल होना पड़ रहा है।

सफेद जोड़े में बेहद खूबसूरत लगीं शमा सिकंदर

मुंबई। पिछले कई सालों तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद शमा और जेम्स ने बीते दिन गोवा के एक आलीशान होटल में शादी कर ली। अपनी शादी की पहली तस्वीरें शमा ने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। उन्होंने इन खूबसूरत तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा,÷मेरा सब कुछ।÷ अपने इस अवतार में शमा काफी सुंदर लग रही हैं, वहीं जेम्स भी वाइट सूट में बेहद हैंडसम लग रहे हैं। साझा की गई तस्वीरों में यह कपल एक दूसरे के साथ पोज देता दिख रहा है। शमा ने व्हाइट कलर के गाउन के साथ मिनिमल मेकअप किया हुआ है। पहली फोटो में शमा और जेम्स एक-दूसरे की बाहों में बाहें डाले खड़े नजर आ रहे हैं। तो वहीं दूसरी तस्वीर में जेम्स शमा को किस करते नजर आ रहे हैं। उनकी ये तस्वीरें उनके फैंस को बहुत पसंद आ रही हैं। दोनों ने अपनी शादी को प्राइवेट रखा था, जिसमें इनके परिवारवाले और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। इस वजह से शमा के फैंस के बीच इनकी शादी की तस्वीरों के लिए काफी उत्सुकता नजर आ रही है। फैंस उनकी तस्वीरों पर तारीफ करने से अपने आप को रोक नहीं पा रहे हैं। एक यूजर ने शमा की तारीफ करते हुए लिखा,÷शमा आप दुल्हन के रूप में बहुत खूबसूरत लग रही हैं।÷ तो वहीं दूसरे ने लिखा, ÷बेहतरीन कपल।÷ जेम्स और शमा काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और ये बात किसी से छुपी नहीं है। वह आए दिन सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के लिए अपना प्यार जताते रहते हैं। इनकी मुलाकात एक दोस्त के जरिए हुई थी और इस कपल ने 2015 में ही सगाई कर ली थी।

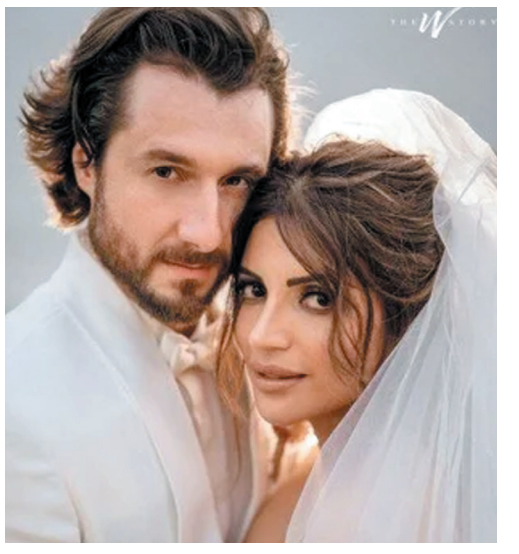

पेट्रोल-डीजल दाम पर सरकार का प्लान

वित्त मंत्रालय ने कहा- कीमत कंट्रोल में रखने के लिए जरूरी कदम उठाएंगे, जियोपॉलिटिकल डेवलपमेंट पर पैनी नजर

नई दिल्ली। क्रूड ऑयल में भारी उतार चढ़ाव के बीच पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर वित्त मंत्रालय का बयान सामने आया है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने मंगलवार को राज्यसभा में बताया कि सरकार जियोपॉलिटिकल डेवलपमेंट पर कड़ी नजर रख रही है और जब भी आम आदमी के हितों की रक्षा की बात आएगी तो ईंधन की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए कैलिब्रेटेड इंटरवेंशन (सोच-विचार कर हस्तक्षेप) करेगी। पंकज चौधरी से राज्यसभा में सवाल किया गया था कि क्या सरकार यूक्रेन संकट के कारण ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी को कंट्रोल में रखने के लिए कस्टम ड्यूटी में कटौती करेगी?

चौधरी ने ये भी कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर फैसला लेती हैं। ये इंटरनेशल प्रोडक्ट प्राइस, एक्सचेंज रेट, टैक्स स्ट्रक्चर और अन्य चीजों पर निर्भर करता है। ऐसी खबरें थी कि क्रूड के दाम बढ़ने के कारण पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 20-25 रुपए का इजाफा हो सकता है।

रूस-यूक्रेन जंग से बढ़े क्रूड के दाम 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन पर रूस के आक्रामण के बाद क्रूड ऑयल की कीमत 14 साल के उच्चतम स्तर 140 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई थी। हालांकि अब कीमते दोबारा 100 डॉलर से नीचे आ गई है। रूस के आक्रामण के कारण कई पश्चिमी देशों ने उस पर कड़े प्रतिबंध लगाए है। इसी वजह से क्रूड की आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता है और दामों में इतना उतार-चढ़ाव दिख रहा है।

भारत 85% कच्चा तेल करता है आयात

भारत अपनी जरूरत का 85त्न कच्चा तेल इंपोर्ट करता है। इसकी कीमत डॉलर में चुकानी होती है। ऐसे में कच्चे तेल की कीमत बढ़ने और डॉलर के मजबूत होने से पेट्रोल-डीजल महंगे होने लगते हैं। कच्चा तेल बैरल में आता है। एक बैरल, यानी 159 लीटर कच्चा तेल होता है।

आपके मुनाफे पर सरकार की नजर

शेयर मार्केट से हुए मुनाफे पर देना पड़ सकता है ज्यादा टैक्स,बदलाव की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। सरकार कैपिटल गेन टैक्स को लेकर नियम में बदलाव कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अगले बजट में सरकार रेवेन्यू कलेक्शन को बढ़ाने के लिए कैपिटल गेन टैक्स में बदलाव कर सकती है। इसको लेकर वित्त मंत्रालय विचार कर रहा है।

शेयर बाजार से कमाई पैसिव इनकम

वित्त मंत्रालय के समक्ष रखे गए प्रस्ताव में कहा गया है कि शेयर बाजार से कमाई पैसिव इनकम की तरह है। ऐसे में शेयर बाजार की कमाई पर लगने वाला टैक्स रेट बिजनेस इनकम पर लगने वाले टैक्स के मुकाबले कम नहीं होना चाहिए। बिजनेस इनकम में कई रिस्क जुड़े होते हैं, साथ में यह रोजगार का अवसर भी देता है। इसके अलावा सरकार कई वेलफेयर स्कीम के बारे में विचार कर रही है जिसके कारण एडिशनल रेवेन्यू जेनरेट करने की जरूरत है। सूत्रों के अनुसार कैपिटल गेन टैक्स में किसी तरह का बदलाव लाने के लिए सरकार को कानून में बदलाव करना होगा। इसके लिए बजट सेशन सबसे उपयुक्त समय है। तब तक वित्त मंत्रालय इस पर गंभीरता से विचार भी कर लेगा।

दो तरह का होता है कैपिटल गेन टैक्स: कैपिटल गेन टैक्स की बात करें तो यह दो तरह का होता है। पहला लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन और दूसरा शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन। देश में लिस्टेड इक्विटी पर एक साल से अधिक समय के लिए एक लाख रुपये की सीमा से ऊपर के लाभ पर 10त्न लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स का भुगतान करना होता है एक साल से कम समय के लिए रखे गए शेयरों पर 15 फीसदी के हिसाब से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स का भुगतान करना होता है। यह प्रावधान एक अप्रैल, 2019 से लागू है।

कैपिटल गेन क्या है?

मान लीजिए आपने कुछ साल पहले किसी प्रॉपर्टी या सोने में 1 लाख रुपए निवेश किया था। जो अब बढ़कर 2 लाख हो गया है तो इसमें 1 लाख रुपए को कैपिटल गेन माना जाएगा। इस पर ही आपसे टैक्स लिया जाएगा।

क्रिप्टोकरेंसी: क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में आज उतार-चढ़ाव जारी

नई दिल्ली। आज यानी शनिवार को प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है। बिटकॉइन शाम 5 बजे 0.61त्न (24 घंटे में) की बढ़त के साथ 31.20 लाख रुपए पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान इसकी कीमत में 19,039 रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि इथीरियम की कीमत में आज गिरावट देखने को मिल रही है। बीते 24 घंटों में इसकी कीमत में 0.66त्न की गिरावट देखी गई है। यह 1,366 रुपए लुढ़ककर 2.05 लाख रुपए पर पहुंच गई है। टेदर, कारडानो और स्ष्ठ कॉइन में भी आज गिरावट देखने को मिल रही है। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (क्रस्श्व) का सेंसेक्स 85.90 पॉइंट्स बढ़कर 55,550 जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 35 अंक की बढ़त के साथ 16,630 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 35 पॉइंट्स की तेजी के साथ 16,630 पर बंद हुआ।

सिर्फ एक दिन बाकी

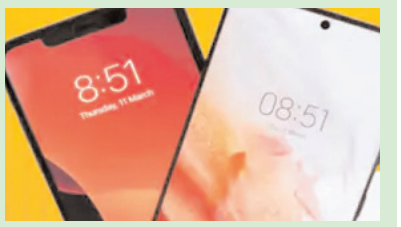

40 हजार का एपल आईफोन 11 हजार से कम में मिल रहा, 7 फोन पर ऐसा ही धमाकेदार डिस्काउंट; देखें लिस्ट

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट पर बिग सेविंग डेज सेल चल रही है। ये सेल 16 मार्च को खत्म हो जाएगा। यहां पर रिफर्बिश्ड स्मार्टफोन की बिक्री भी हो रही है। इन फोन पर 73त्न का धमाकेदार डिस्काउंट भी मिल रहा है। रिफर्बिश्ड फोन की लिस्ट में एपल, सैमसंग, वीवो, शाओमी, रियलमी, नोकिया, हॉनर जैसी कई कंपनियों के मॉडल शामिल हैं। चलिए आपको इन्हीं फोन और उस पर मिलने वाले डिस्काउंट के बारे में बताते हैं।

क्या होते हैं रिफर्बिश्ड फोन?

रिफर्बिश्ड फोन का मतलब है सेकेंड हैंड फोन। कई ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फोन को एक्सचेंज करने का ऑफर देते हैं। वे पुराने फोन को खरीदकर उसे नया बनाकर बेचती हैं। बेचने से पहले कंपनी फोन को अप-टू-डेट कर देती हैं। यानी फोन के हार्डवेयर की प्रॉब्लम, उसका कवर, बॉडी को नया कर देती हैं।

प्राइवेट एयरलाइंस बचा रहीं पैसे: एयरोब्रिज का इस्तेमाल नहीं करने से बुजुर्गों को रही परेशानी, संसदीय समिति ने ऐसी कंपनियों पर जुर्माना लगाने की मांग की

नई दिल्ली। प्राइवेट एयरलाइंस पैसे बचाने के लिए विमान में चढ़ने और उतरने के लिए एयरोब्रिज का इस्तेमाल नहीं करने का ऑप्शन चुन रही हैं। जिसकी वजह से बुजर्गों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है और उन्हें सीढ़ियों का इस्तेमाल करना पड़ता है। जिसे लेकर एक संसदीय ने एक रिपोर्ट पेश की है जिसमें समिति ने प्राइवेट एयरलाइंस के इस उदासीन और अनुचित रवैये की निंदा की है। साथ ही प्राइवेट एयरलाइन के इस तरह के नियम बनाने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा दंडित किया जाने की मांग की है।

एयरोब्रिज होने के बावजूद एयरलाइंस कंपनियां इस्तेमाल नहीं करती

एरोब्रिज एक चलने वाली टनल है जो पैसेंजर के बोर्डिंग या डिबोर्डिंग के लिए हवाई अड्डे की बिल्डिंग से विमान तक फैली हुई होती है। एयरोब्रिज का इस्तेमाल करने के लिए एयरलाइंस को हवाई अड्डे पर एक फिक्स चार्ज देना पड़ता है। ट्रांसपोर्ट, टूरिज्म और कल्चर पर संसदीय समिति की एक रिपोर्ट सोमवार को राज्यसभा में पेश की, जिसमें कहा गया है कि कुछ हवाई अड्डों में एयरोब्रिज होने के बावजूद, एयरलाइंस पैसेंजर्स को बोर्डिंग और डिबोर्डिंग के लिए इस्तेमाल नहीं कर रही है और इसके बजाय सीढ़ियों का इस्तेमाल कर रही है। बयान में कहा गया है कि पैसेंजर्स से चार्ज वसूलने के बावजूद प्राइवेट विमानन कंपनियां ऑपरेशनल कॉस्ट कम करने के लिए एयरोब्रिज फैसिलिटी का इस्तेमाल नहीं कर रही हैं। जिसकी वजह से पैसेंजर्स, खासतौर से बुजुर्ग को एयरलाइन में चढ़ने के लिए पार्किंग स्टैंड की सीढ़ियों को चढ़ना पड़ता है।

हवाईअड्डे में एयरोब्रिज होने पर इसका इस्तेमाल करना जरूरी

समिति प्राइवेट एयरलाइंस के इस उदासीन और अनुचित रवैये की निंदा करती है और सिफारिश करती है कि इस विषय पर उसके सर्कुलर को सख्ती से लागू किया जाए। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 2018 में सभी भारतीय हवाईअड्डा ऑपरेटरों को एक सर्कुलर जारी किया था जिसमें कहा गया था कि यदि पैसेंजर्स के बोर्डिंग और डिबोर्डिंग के लिए हवाईअड्डे में एक एयरोब्रिज है, तो इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। समिति ने सोमवार को सिफारिश की कि मंत्रालय को अपने सर्कुलर को सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से चेक करते रहना चाहिए और यदि कोई चूक होती है तो उस प्राइवेट एयरलाइंस को दंडित किया जाना चाहिए।

विदेशी कार्ड के लिए मुश्किल: रूपे से हड़बड़ाए वीजा और मास्टर कार्ड, कहा-भारत में उनके लिए समान फील्ड नहीं

रूपे की बढ़ रही ताकत से ग्लोबल लेवल के टॉप प्लास्टिक कार्ड वाली कंपनियां हड़बड़ा गई हैं। मास्टर और वीजा कार्ड ने अमेरिका में शिकायत की है कि उनके लिए भारत में समान फील्ड उपलब्ध नहीं है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में भारत ने रूपे को इतने आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाया है कि इससे वीजा इंक और मास्टरकार्ड भी हड़बड़ा गया है। इस बीच, डिस्कवर फाइनेंशियल सर्विसेज के डाइनर्स क्लब के साथ-साथ मास्टरकार्ड और अमेरिकन एक्सप्रेस डेटा स्थानीय नियमों को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक के साथ नियामकीय संकट में आ गए हैं। सरकार से मिल रहे सपोर्ट के साथ रूपे ने 60 करोड़ से अधिक कार्ड जारी किए हैं। ऋद्ध के अनुसार 2017 में यह केवल 15 करोड़ था जो 2020 तक चार गुना बढ़ गया। हालांकि, अधिकांश इंस्ट्रूमेंट डेबिट कार्ड हैं, जो बिना तामझाम के सेविंग अकाउंट से जुड़े हैं। इन्हें मोदी सरकार ने अपने फाइनेंशियल इंक्लूजन अभियान के हिस्से के रूप में समाज के गरीब वर्गों के लिए बड़ी संख्या में सामने लाया है। जनवरी में क्रेडिट कार्ड से देश में 878 अरब रुपए खर्च किए गए जो कि डेबिट-कार्ड ग्राहकों की तुलना में 50त्न अधिक है।

भारत की डिजिटल इकोनॉमी बढ़ेगी: वित्त मंत्री ने आने वाले 8 साल में देश की डिजिटल इकोनॉमी 62 लाख करोड़ रुपए होने की कही बात

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को 2030 तक 800 अरब डॉलर तक (करीब 62 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंचने की उम्मीद जताई है। इसके पीछे की वजह उन्होंने इंटरनेट की बढ़ती पहुंच और बढ़ती आय बताई। उन्होंने यह बात IIT बॉम्बे एल्यूमनी एसोसिएशन को सम्बोधित करते हुए कही।

उन्होंने आगे बताया कि भारत में 6,300 से ज्यादा फिनटेक कंपनियां हैं, जिनमें से 28त्न निवेश टेक्नोलॉजी सेक्टर में, 27त्न पेमेंट में, 16त्न लेंडिंग में और 9% बैंकिंग बेसिक इंफ्रा में हैं, जबकि 20% से ज्यादा दूसरे क्षेत्रों में हैं। सीतारमण ने आगे बताया कि भारत के फिनटेक इंडस्ट्री का टोटल वैल्यूएशन अगले 3 साल में बढ़कर 150 बिलियन डॉलर (करीब 12 लाख करोड़ रुपए) हो जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि ज्यादातर स्टार्टअप यूनिकॉर्न फिनटेक सेक्टर से हैं और फंडिंग में आसानी होने से उन्हें बढ़ने में मदद मिली है। उन्होंने बताया कि हम भारतीय फिनटेक स्टार्टअप्स से जुटाए जा रहे फंड में काफी ग्रोथ देख रहे हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था को स्पीड देने में मदद करने वाली गवर्नमेंट की पॉलिसी पर सीतारमण ने कहा कि सरकार ने e-KYC और ई-आधार जैसी टेक्नोलॉजी के साथ शेयर मार्केट की पहुंच को आसान किया है और रिटेल इनवेस्टर्स को आगे आने में मदद की है। उन्होंने कहा कि रिटेल इनवेस्टर्स अकाउंट की कुल संख्या लगभग दोगुनी हो गई है, जो मार्च 2016 तक लगभग 4.50 करोड़ से 31 मार्च 2021 तक 8.82 करोड़ हो गई है। एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि इंटरनेट की पहुंच 10% बढ़ने से प्रति व्यक्ति GDP में 3.9% की ग्रोथ देखी गई है। डिजिटल इकोनॉमी को बढ़ावा देने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हाल के बजट में 75 डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स (DBU) की लगाने का ऐलान किया है।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक–नागेश नरवरिया
मो.– 9425156055–9755364204

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)